अध्याय–1
बाल विकास एवं शिक्षण विधि

यू०पी०टी०ई०टी० (UPTET) की संरचना व विषय वस्तु:--

I. प्राथमिक स्तर TET परीक्षा (कक्षा 1 से 5 के लिए)
II. परीक्षा की अवधि 2:30 घण्टे अर्थात् 150 मिनट की होगी।
III. यू०पी०टी०ई०टी० में सभी प्रश्न एक सही उत्तर के साथ चार विकल्प वाले बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQ) होंगे, प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का होगा। नकारात्मक मूल्यांकन(Negative Marking) नहीं होगा।

संरचना एवं विषय सूची (सभी अनिवार्य)

क्र.सं	विषय वस्तु	प्रश्नों की संख्या	अंक
1.	बाल विकास एवं शिक्षण विधि (अनिवार्य)	30 MCQs	30
2.	भाषा प्रथम (हिन्दी) (अनिवार्य)	30 MCQs	30
3.	भाषा द्वितीय (अंग्रेजी/उर्दू/संस्कृत) (अनिवार्य)	30 MCQs	30
4.	गणित (अनिवार्य)	30 MCQs	30
5.	पर्यावरणीय अध्ययन (अनिवार्य)	30 MCQs	30
कुल		**150 MCQs**	**150 अंक**

पेपर I (कक्षा I से V के लिए) प्राथमिक स्तर:

I. बाल विकास एवं शिक्षण विधियाँ **30 प्रश्न**

क) विषय--वस्तु

बाल विकास:--

- बाल विकास का अर्थ, आवश्यकता तथा क्षेत्र, बाल विकास की अवस्थाएं शारीरिक विकास, मानसिक विकास, संवेगात्मक विकास, भाषा विकास-- अभिव्यक्ति क्षमता का विकास, सृजनात्मकता एवं सृजनात्मक क्षमता का विकास।
- बाल विकास के आधार एवं उनको प्रभावित करने वाले कारक--वंशानुक्रम, वातावरण। (पारिवारिक, सामाजिक, विद्यालयीय, संचार माध्यम)

सीखने का अर्थ तथा सिद्धान्त:--

- अधिगम (सीखने) का अर्थ प्रभावित करने वाले कारक, अधिगम की प्रभावशाली विधियाँ।
- अधिगम के नियम-- थार्नडाइक के सीखने के मुख्य नियम एवं अधिगम में उनका महत्व।
- अधिगम के प्रमुख सिद्धान्त तथा कक्षा शिक्षण में इनकी व्यावहारिक उपयोगिता, थार्नडाइक का प्रयास एवं त्रुटि का सिद्धान्त, पैवलव का सम्बद्ध प्रतिक्रिया का सिद्धान्त, स्किनर का क्रिया प्रसूत अधिगम सिद्धान्त, कोहलर का सूझ या अन्तर्दृष्टि का सिद्धान्त, प्याजे का सिद्धान्त, व्योगास्की का सिद्धान्त सीखने का वक्र-- अर्थ एवं प्रकार, सीखने में पठार का अर्थ और कारण एवं निराकरण।

शिक्षण, शिक्षण विधाएँ

- शिक्षण का अर्थ तथा उद्देश्य, सम्प्रेषण, शिक्षण के सिद्धान्त, शिक्षण के सूत्र, शिक्षण प्रविधियाँ, शिक्षण की नवीन विधाएँ (उपागम), सूक्ष्म शिक्षण एवं शिक्षण के आधारभूत कौशल।

समावेशी शिक्षा--निर्देशन एवं परामर्श

- शैक्षिक समावेशन से अभिप्राय, पहचान, प्रकार, निराकरण यथा: अपवंचित वर्ग, भाषा, धर्म, जाति, क्षेत्र, वर्ण, लिंग, शारीरिक दक्षता (दृष्टिबाधित, श्रवणबाधित एवं वाक्/अस्थिबाधित), मानसिक दक्षता।
- समावेशन के लिए आवश्यक उपकरण, सामग्री, विधियाँ, टी०एल०एम० एवं अभिवृत्तियाँ।
- समावेशित बच्चों का अधिगम जाँचने हेतु आवश्यक टूल्स एवं तकनीकी।
- समावेशित बच्चों के लिए विशेष शिक्षण विधियाँ। यथा ब्रेललिपि आदि।
- समावेशी बच्चों हेतु निर्देशन एवं परामर्श-- अर्थ, उद्देश्य, प्रकार, विधियाँ, आवश्यकता एवं क्षेत्र।
- परामर्श में सहयोग देने वाले विभाग/संस्थाएँ:--
    - मनोविज्ञानशाला उ०प्र०, प्रयागराज
    - मण्डलीय मनोविज्ञान केन्द्र (मण्डल स्तर पर)
    - जिला चिकित्सालय
    - जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में प्रशिक्षित डायट मेण्टर
    - पर्यवेक्षण एवं निरीक्षण तन्त्र
    - समुदाय एवं विद्यालय की सहयोगी समितियाँ
    - सरकारी एवं गैर सरकारी संगठन
- बाल--अधिगम में निर्देशन एवं परामर्श का महत्व।

ख) अधिगम और अध्यापन:--

- बालक किस प्रकार सोचते और सीखते हैं; बालक विद्यालय प्रदर्शन में सफलता प्राप्त करने में कैसे और क्यों 'असफल' होते हैं।
- अधिगम और अध्यापन की बुनियादी प्रक्रियाएं; बालकों की अधिगम कार्यनीतियां सामाजिक क्रियाकलाप के रूप में अधिगम; अधिगम के सामाजिक सन्दर्भ।
- एक समस्या समाधानकर्ता और एक 'वैज्ञानिक अन्वेषक' के रूप में बालक।
- बालकों में अधिगम की वैकल्पिक संकल्पना; अधिगम प्रक्रिया में महत्वपूर्ण चरणों के रूप में बालक की 'त्रुटियों' को समझना।
- बोध और संवेदनाएं।
- प्रेरणा और अधिगम।
- अधिगम में योगदान देने वाले कारक-- निजी एवं पर्यावरणीय।

******

बाल विकास एवं शिक्षण विधि
(CHILD DEVELOPMENT AND TEACHING METHOD)

बाल विकास का अर्थ (Meaning)

बाल विकास (Child Development) मनोविज्ञान की वह व्यावहारिक शाखा है जो गर्भाधान (Conception) से लेकर परिपक्वता (Maturity) तक होने वाले परिवर्तनों का वैज्ञानिक अध्ययन करती है।

महत्वपूर्ण परिभाषाएँ:

- **James Drever:** "बाल मनोविज्ञान वह विज्ञान है जो जन्म से परिपक्वता तक विकसित हो रहे मानव का अध्ययन करता है।"
- **Crow and Crow:** "बाल मनोविज्ञान वह वैज्ञानिक अध्ययन है जो व्यक्ति के विकास का अध्ययन गर्भकाल के प्रारम्भ से किशोरावस्था के प्रारम्भ तक करता है।"

बाल विकास का क्षेत्र: एक परिचय

बाल विकास का क्षेत्र अत्यंत व्यापक है। इसके अंतर्गत न केवल बालक की शारीरिक वृद्धि का अध्ययन किया जाता है, बल्कि उसके मानसिक, सामाजिक, संवेगात्मक और भाषायी विकास के सभी पहलुओं का विश्लेषण किया जाता है।

मुख्य अध्ययन क्षेत्र (Key Areas of Study)

- **विकास की विभिन्न अवस्थाओं का अध्ययन (Study of Development Stages):** बाल विकास में गर्भाधान (Conception) से लेकर किशोरावस्था (Adolescence) तक की सभी अवस्थाओं की विशेषताओं का अध्ययन किया जाता है। प्रत्येक अवस्था के अपने मानक और चुनौतियाँ होती हैं।
- **शारीरिक एवं गत्यात्मक विकास (Physical and Motor Development):** इसमें शरीर की लम्बाई, भार, मांसपेशियों की शक्ति और शरीर के अंगों पर नियंत्रण (जैसे चलना, दौड़ना, पकड़ना) का अध्ययन शामिल है।
- **संज्ञानात्मक या मानसिक विकास (Cognitive Development):** बालक की सीखने की क्षमता, स्मृति (Memory), तर्क (Reasoning), कल्पना (Imagination) और समस्या समाधान की क्षमताओं का विकास कैसे होता है, यह इस क्षेत्र का मुख्य हिस्सा है।
- **संवेगात्मक विकास (Emotional Development):** बालक में संवेगों जैसे- भय, क्रोध, प्रेम और ईर्ष्या का जन्म कैसे होता है और वह उन पर नियंत्रण (Emotional Regulation) करना कैसे सीखता है।
- **सामाजिक विकास (Social Development):** बालक का परिवार, मित्रों और समाज के साथ समायोजन (Adjustment)। इसमें सामाजिकरण (Socialization) की प्रक्रिया और नैतिक विकास (Moral Development) का अध्ययन किया जाता है।
- **भाषा विकास (Language Development):** बालक किस प्रकार ध्वनियों को समझता है, शब्द बोलना सीखता है और व्याकरण का प्रयोग कर अपनी बात व्यक्त करता है।

प्रभावकारी कारकों का अध्ययन (Study of Influencing Factors)

बाल विकास का क्षेत्र केवल लक्षणों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उन कारणों को भी खोजता है जो विकास को प्रभावित करते हैं:

- **वंशानुक्रम (Heredity):** माता-पिता से मिलने वाले गुण।
- **वातावरण (Environment):** घर का माहौल, पौष्टिक भोजन और शिक्षा।

वैयक्तिक भिन्नता (Individual Differences)

प्रत्येक बालक विशिष्ट होता है। बाल विकास इस बात का अध्ययन करता है कि बच्चों की रुचियों, क्षमताओं और सीखने की गति में अंतर क्यों होता है, ताकि उन्हें Inclusive Education (समावेशी शिक्षा) प्रदान की जा सके।

बाल विकास की आवश्यकता और महत्व (Need and Importance)

आज की शिक्षा प्रणाली **Child-Centered** (बाल-केन्द्रित) है। इसलिए बाल विकास का ज्ञान अनिवार्य है:

- **उपयुक्त वातावरण का निर्माण:** बालक के स्वस्थ विकास के लिए घर और विद्यालय में कैसा वातावरण (Conducive Environment) होना चाहिए, यह बाल विकास के सिद्धांतों से पता चलता है।
- **वैयक्तिक भिन्नता का सम्मान (Individual Differences):** हर बच्चा दूसरे से भिन्न है। कोई जल्दी सीखता है, कोई धीरे। बाल विकास शिक्षकों को यह समझने में मदद करता है कि एक ही Method सभी पर लागू नहीं किया जा सकता।
- **अनुशासन और व्यवहार नियंत्रण:** बालकों के अवांछित व्यवहार के पीछे के कारणों (Root Causes) को समझकर उन्हें प्रेम और सहानुभूति से अनुशासित करने में सहायता मिलती है।
- **पाठ्यचर्या का निर्माण:** बालकों की आयु, रुचि और क्षमता के अनुसार ही पाठ्यक्रम (Curriculum Design) तैयार करने में मार्गदर्शन मिलता है।

बाल विकास की अवस्थाएं (Stages of Child Development)

बाल विकास के क्षेत्र के अंतर्गत निम्नलिखित विषयों का गहराई से अध्ययन किया जाता है:

क. विकास की विभिन्न अवस्थाएँ (Stages of Development)

- **गर्भावस्था (Pre-natal Period):** गर्भाधान से जन्म तक।
- **शैशवावस्था (Infancy):** जन्म से 5-6 वर्ष तक। इसे "सीखने का आदर्श काल" (Ideal Period of Learning) कहा जाता है।
- **बाल्यावस्था (Childhood):** 6 से 12 वर्ष तक। इसे "टोली की आयु" (Gang Age) भी कहते हैं।
- **किशोरावस्था (Adolescence):** 12 से 18 वर्ष तक। यह "तनाव और तूफान" (Stress and Storm) की अवस्था है।

बाल विकास की प्रक्रिया निरंतर चलती रहती है, जिसे अध्ययन की सुविधा के लिए निम्नलिखित प्रमुख अवस्थाओं में विभाजित किया गया है:

- **गर्भावस्था (Pre-natal Period): [गर्भाधान से जन्म तक]**
  - यह विकास की सबसे तीव्र अवस्था है।
  - इसमें मुख्य रूप से शारीरिक अंगों का निर्माण होता है।
- **शैशवावस्था (Infancy): [जन्म से 5-6 वर्ष तक]**
  - इसे **"सीखने का आदर्श काल" (Ideal Period of Learning)** कहा जाता है।
  - इस अवस्था में बालक अनुकरण (Imitation) और दोहराने की प्रवृत्ति द्वारा सीखता है।
- **बाल्यावस्था (Childhood): [6 से 12 वर्ष तक]**
  - इसे **"टोली की आयु" (Gang Age)** या "खेल की अवस्था" भी कहते हैं।
  - बालक में सामाजिकता और संग्रह करने की प्रवृत्ति (Hoarding Tendency) विकसित होती है।
- **किशोरावस्था (Adolescence): [12 से 18 वर्ष तक]**
  - Stanley Hall के अनुसार यह **"तनाव, दबाव और तूफान" (Stress and Storm)** की अवस्था है।
  - इसमें अमूर्त चिंतन (Abstract Thinking) और आत्म-पहचान की खोज की प्रधानता होती है।

ख. विकास के विभिन्न आयाम (Dimensions of Development)

- **शारीरिक विकास:** ऊँचाई, भार, हड्डियों और मांसपेशियों का विकास।
- **मानसिक/संज्ञानात्मक विकास (Cognitive Development):** बुद्धि, संवेदना, प्रत्यक्षीकरण और निर्णय लेने की क्षमता।
- **संवेगात्मक विकास:** संवेगों की उत्पत्ति और उनका परिष्कार।
- **क्रियात्मक विकास (Motor Development):** शरीर के अंगों पर नियंत्रण और कौशल सीखना।

विकास एक बहुआयामी (Multidimensional) प्रक्रिया है। इसके विभिन्न पक्ष एक-दूसरे से अंतःसंबंधित होते हैं:

- **शारीरिक विकास (Physical Development):**
  - इसके अंतर्गत शरीर की ऊँचाई, भार, हड्डियों, दांतों और मांसपेशियों का विकास आता है।
  - इसमें आंतरिक अंगों (Internal Organs) और अंतःस्रावी ग्रंथियों (Endocrine Glands) का विकास भी शामिल है।
- **मानसिक/संज्ञानात्मक विकास (Cognitive Development):**
  - मानसिक शक्तियों जैसे-- बुद्धि, संवेदना, प्रत्यक्षीकरण (Perception), स्मृति (Memory), और निर्णय लेने की क्षमता का विकास।
  - Jean Piaget ने इस आयाम पर विस्तृत शोध किया है।
- **संवेगात्मक विकास (Emotional Development):**
  - बालक में विभिन्न संवेगों (क्रोध, भय, हर्ष, घृणा) की उत्पत्ति और उनका परिष्कार (Refinement)।
  - संवेगात्मक स्थिरता बालक के संतुलित व्यक्तित्व के लिए आवश्यक है।
- **क्रियात्मक विकास (Motor Development):**
  - शरीर के अंगों पर नियंत्रण और विभिन्न कौशलों (Skills) को सीखना।
  - इसमें Gross Motor Skills (जैसे दौड़ना) और Fine Motor Skills (जैसे लिखना या चित्र बनाना) शामिल हैं।
- **सामाजिक विकास (Social Development):**
  - समाज के रीति-रिवाजों, मूल्यों और मान्यताओं के अनुसार अनुकूलन (Adaptation) करना।

ग. विकास को प्रभावित करने वाले कारक

इसमें **Nature vs Nurture** का अध्ययन होता है, अर्थात वंशानुक्रम (Heredity) और वातावरण (Environment) की अंतःक्रिया का विश्लेषण।

बालक के विकास की दिशा और गति मुख्य रूप से दो प्रमुख कारकों की अंतःक्रिया (Interaction) पर निर्भर करती है, जिसे मनोविज्ञान में **Nature vs Nurture** के नाम से जाना जाता है:

- **वंशानुक्रम (Heredity / Nature):**
  - यह बालक को अपने माता-पिता और पूर्वजों से जन्मजात प्राप्त होने वाले जैविक गुण हैं।
  - इसमें शारीरिक बनावट, आँखों का रंग, बुद्धि (Intelligence) और मूल प्रवृत्तियाँ शामिल हैं।
  - इसे विकास का "स्थिर" (Static) कारक माना जाता है क्योंकि इसे बदला नहीं जा सकता।
- **वातावरण (Environment / Nurture):**
  - इसमें वे सभी बाहरी कारक शामिल हैं जो बालक को गर्भाधान से मृत्यु तक प्रभावित करते हैं।
  - पारिवारिक परिवेश, पौष्टिक भोजन, सामाजिक संपर्क, शिक्षा और संस्कृति इसके मुख्य अंग हैं।
  - इसे विकास का "गत्यात्मक" (Dynamic) कारक माना जाता है।

वुडवर्थ (Woodworth) के अनुसार महत्वपूर्ण सूत्र:

विकास (Development) = वंशानुक्रम (Heredity) × वातावरण (Environment)

- **अन्य सहायक कारक:**
  - **अंतःस्रावी ग्रंथियाँ (Endocrine Glands):** जैसे पिट्यूटरी ग्रंथि का शारीरिक वृद्धि पर प्रभाव।
  - **लिंग (Gender):** जन्म के समय लड़कों और लड़कियों की विकास दर में भिन्नता।
  - **रोग एवं चोट:** शारीरिक व्याधियाँ विकास की गति को धीमा कर सकती हैं।

बाल विकास के विभिन्न पक्ष (Dimensions of Child Development)

1. शारीरिक विकास (Physical Development)

शारीरिक विकास से तात्पर्य शरीर के बाह्य एवं आंतरिक अंगों के विकास से है। यह विकास के अन्य सभी पक्षों का आधार होता है।

- **बाह्य विकास:** शरीर की लंबाई (Height), भार (Weight) और शारीरिक अनुपात में परिवर्तन।
- **आंतरिक विकास:** हड्डियों (Bones), मांसपेशियों (Muscles) और आंतरिक अंगों का विकास।
- **शैशवावस्था:** शारीरिक विकास की गति अत्यंत तीव्र होती है।
- **बाल्यावस्था:** विकास की गति में स्थिरता (Stability) आती है, जिसे "सुदृढ़ीकरण काल" भी कहते हैं।
- **किशोरावस्था:** पुनः तीव्र परिवर्तन होते हैं और प्रजनन अंगों का विकास पूर्ण होता है।

2. मानसिक या संज्ञानात्मक विकास (Mental or Cognitive Development)

मानसिक विकास का अर्थ बालक की उन सभी मानसिक शक्तियों के उदय से है, जो उसे अपने वातावरण को समझने और समस्याओं को हल करने में मदद करती हैं।

- **प्रमुख तत्व:** संवेदना (Sensation), प्रत्यक्षीकरण (Perception), स्मृति (Memory), ध्यान (Attention), चिन्तन (Thinking) और तर्क (Reasoning)।
- **Jean Piaget:** इन्होंने संज्ञानात्मक विकास की चार अवस्थाएँ (संवेदी-पेशीय, पूर्व-संक्रियात्मक, मूर्त-संक्रियात्मक, और औपचारिक संक्रियात्मक) बताई हैं।
- शिक्षा का महत्व: मानसिक विकास के अनुरूप ही शिक्षण विधियों (Teaching Methods) का चयन करना चाहिए।

3. संवेगात्मक विकास (Emotional Development)

संवेग (Emotion) व्यक्ति की उत्तेजित अवस्था है। बालक के व्यक्तित्व निर्माण में संवेगों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है।

- **प्रमुख संवेग:** भय (Fear), क्रोध (Anger), प्रेम (Love), और ईर्ष्या (Jealousy)।
- **Bridges के अनुसार:** जन्म के समय बालक में केवल उत्तेजना (Excitement) पाई जाती है, तथा लगभग 2 वर्ष की आयु तक उसके सभी प्रमुख संवेग विकसित हो जाते हैं।
- **विशेषता:** संवेगात्मक स्थिरता (Emotional Stability) बालक के सामाजिक समायोजन (Social Adjustment) के लिए अनिवार्य है।

4. भाषा विकास (Language Development)

भाषा विकास संचार (Communication) का माध्यम है। यह संज्ञानात्मक विकास का ही एक विशिष्ट पक्ष है।

- **क्रम:** रुदन (Crying) → बबलाना (Babbling) → एक शब्द वाले वाक्य → पूर्ण वाक्य।
- **Noam Chomsky:** इनके अनुसार बच्चों में भाषा सीखने की जन्मजात क्षमता होती है, जिसे Language Acquisition Device (LAD) कहा जाता है।
- **प्रभावित करने वाले कारक:** स्वास्थ्य, बुद्धि, सामाजिक-आर्थिक स्थिति और बहुभाषावाद (Multilingualism)।

अभिव्यक्ति क्षमता का विकास (Expression Ability)

बालक के भीतर निहित भावों और विचारों को बाहर प्रकट करने की प्रक्रिया ही अभिव्यक्ति है। यह उसके सामाजिक और मानसिक विकास का प्रतिबिंब है।

मौखिक अभिव्यक्ति (Oral Expression)

- इसमें बोलकर अपनी आवश्यकताओं और विचारों को साझा करना शामिल है।
- यह बालक में आत्मविश्वास (Self-confidence) पैदा करने का सबसे प्रभावी माध्यम है।

लिखित अभिव्यक्ति (Written Expression)

- विचारों को व्यवस्थित रूप से कागज़ पर उतारना।
- इसमें वर्तनी की शुद्धता और व्याकरण का महत्व बढ़ जाता है।

सृजनात्मकता एवं सृजनात्मक क्षमता (Creativity)

सृजनात्मकता (Creativity) वह शक्ति है जो बालक को लीक से हटकर कुछ नया और मौलिक (Original) सोचने के लिए प्रेरित करती है।

सृजनात्मकता के आधारभूत तत्व (Elements of Creativity)

- **प्रवाह (Fluency):** बिना रुके कई नए विचारों का मन में आना।
- **लचीलापन (Flexibility):** किसी भी समस्या को अलग-अलग नजरिए से देखने की क्षमता।
- **मौलिकता (Originality):** ऐसे विचार जो नवीन हों और दूसरों की नकल न हों।

सृजनात्मक क्षमता विकसित करने की विधियाँ

- **स्वतंत्र वातावरण:** बालक को बिना किसी डर के अपने प्रयोग करने की आजादी देना।
- **मस्तिष्क उद्वेलन (Brainstorming):** जटिल समस्याओं पर स्वतंत्र रूप से विचार मंथन कराना।
- **कला एवं शिल्प (Art and Craft):** हाथों से नई वस्तुओं का निर्माण कराना।

सृजनात्मकता का अर्थ एवं परिभाषा (Meaning and Definition)

सृजनात्मकता वह मानसिक प्रक्रिया है जिसके द्वारा व्यक्ति किसी नए विचार, वस्तु या कार्य का सृजन करता है जो मौलिक (Original) और उपयोगी हो।

प्रमुख परिभाषाएँ

- **Crow and Crow:** "सृजनात्मकता मौलिक परिणामों को व्यक्त करने की एक मानसिक प्रक्रिया है।"
- **Drevhal:** "सृजनात्मकता वह क्षमता है जिसके द्वारा नए संबंधों का ज्ञान होता है और जो नवीन चिंतन (New Thinking) को जन्म देती है।"

सृजनात्मकता के आवश्यक तत्व (Elements of Creativity)

मनोवैज्ञानिक Torrance के अनुसार सृजनात्मकता के चार मुख्य घटक हैं:

1. प्रवाह (Fluency)

किसी समस्या पर कम समय में अधिक से अधिक विचारों या विकल्पों को प्रस्तुत करने की क्षमता।

2. लचीलापन (Flexibility)

विभिन्न श्रेणियों या अलग-अलग दृष्टिकोणों से सोचने की क्षमता। इसमें विचारों में विविधता होती है।

3. मौलिकता (Originality)

ऐसे विचार देना जो नवीन हों और जो पहले किसी ने न दिए हों। यह सृजनात्मकता का सबसे अनिवार्य तत्व है।

4. विस्तारण (Elaboration)

किसी छोटे विचार को विस्तार देना और उसे पूर्ण रूप से विकसित करना।

सृजनात्मक क्षमता का विकास (Development of Creative Ability)

बालकों में सृजनात्मकता को निखारने के लिए निम्नलिखित रणनीतियाँ अपनाई जा सकती हैं:

मस्तिष्क उद्वेलन (Brainstorming)

बालकों के सामने एक समस्या रखी जाती है और उन्हें बिना किसी रोक-टोक के अपने विचार व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। Osborn ने इस विधि को लोकप्रिय बनाया।

स्वतंत्र वातावरण (Free Environment)

बालक को नए प्रयोग करने और असफल होने का भय न हो। उसे प्रश्न पूछने और जिज्ञासु बनने के अवसर प्रदान करना।

कला एवं सृजनात्मक लेखन

चित्रकला, मिट्टी के खिलौने बनाना, कविता लेखन और कहानी बुनने जैसी गतिविधियाँ सृजनात्मकता को बढ़ावा देती हैं।

समस्या समाधान विधि

बालक को स्वयं समस्या का समाधान खोजने के लिए प्रेरित करना, जिससे उसकी मौलिक सोच विकसित हो।

सृजनात्मक बालक की विशेषताएँ (Characteristics)

- वह अत्यधिक जिज्ञासु (Curious) होता है।
- वह जोखिम लेने (Risk Taking) से नहीं डरता।
- उसमें संवेदनशीलता अधिक होती है।
- वह जटिल समस्याओं में रुचि लेता है।

बाल विकास के आधार एवं प्रभावित करने वाले कारक (Bases and Factors Affecting Child Development)

वंशानुक्रम (Heredity / Nature)

वंशानुक्रम से तात्पर्य उन गुणों से है जो बालक को अपने माता-पिता और पूर्वजों से जन्मजात प्राप्त होते हैं। यह विकास का "स्थिर" (Static) आधार है।

वंशानुक्रम की कार्यप्रणाली

बालक को अपने माता-पिता से 23-23 गुणसूत्र (Chromosomes) प्राप्त होते हैं। इन गुणसूत्रों में मौजूद जीन (Genes) ही गुणों के वाहक होते हैं।

प्रमुख प्रभाव

- **शारीरिक बनावट:** आँखों का रंग, कद-काठी और त्वचा का रंग।
- **बुद्धि (Intelligence):** मानसिक क्षमता का आधार वंशानुगत होता है।
- **मूल प्रवृत्तियाँ:** स्वभाव और कुछ नैसर्गिक प्रवृत्तियाँ।

वातावरण (Environment/Nurture)

वातावरण में वे सभी बाह्य कारक शामिल हैं जो बालक को जन्म से (और जन्म-पूर्व से) प्रभावित करते हैं। इसे विकास का "गत्यात्मक" (Dynamic) आधार माना जाता है।

1. पारिवारिक वातावरण (Family Environment)

परिवार बालक की "प्रथम पाठशाला" है।

- माता-पिता के संबंध और उनकी शैक्षिक स्थिति।
- परिवार का आर्थिक स्तर और उचित पोषण (Nutrition)।
- भाई-बहनों का व्यवहार।

2. सामाजिक वातावरण (Social Environment)

समाज बालक के समाजीकरण (Socialization) में मुख्य भूमिका निभाता है।

- पड़ोस और खेल के साथी (Peer Group)।
- सामाजिक रीति-रिवाज, परंपराएं और मूल्य (Values)।

3. विद्यालयीय वातावरण (School Environment)

विद्यालय बालक के बौद्धिक और नैतिक विकास का केंद्र है।

- शिक्षक का व्यवहार और शिक्षण विधियाँ (Teaching Methods)।
- विद्यालय का अनुशासन और सह-पाठ्यगामी क्रियाएं (Co-curricular Activities)।
- समावेशी वातावरण (Inclusive Environment)।

4. संचार माध्यम (Mass Media)

आधुनिक समय में संचार माध्यमों का प्रभाव बालक के विकास पर बहुत अधिक बढ़ गया है।

- **सकारात्मक प्रभाव:** ज्ञान में वृद्धि, विश्व की जानकारी और शैक्षिक कार्यक्रम।
- **नकारात्मक प्रभाव:** हिंसात्मक दृश्य, गेमिंग की लत और साइबर सुरक्षा के मुद्दे।
- इंटरनेट, सोशल मीडिया और टेलीविजन बालक के व्यवहार और सोच को दिशा देते हैं।

निष्कर्ष: अंतःक्रिया का सिद्धांत (Principle of Interaction)

बालक का विकास न केवल वंशानुक्रम पर निर्भर है और न ही केवल वातावरण पर, बल्कि यह दोनों का गुणनफल है।

विकास (Development) =

वंशानुक्रम (Heredity) ×वातावरण (Environment)

सीखने का अर्थ तथा सिद्धान्त

(Meaning and Principles of Learning)

अधिगम (सीखने) का अर्थ एवं परिभाषाएं

अधिगम (Learning) एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है जिसके द्वारा व्यक्ति के व्यवहार में अनुभव और प्रशिक्षण के माध्यम से अपेक्षाकृत स्थायी परिवर्तन (Relatively Permanent Change) आता है।

प्रमुख परिभाषाएं

- **Woodworth:** "नवीन ज्ञान और नवीन प्रतिक्रियाओं को प्राप्त करने की प्रक्रिया ही अधिगम है।"
- **Skinner:** "अधिगम व्यवहार में उत्तरोत्तर अनुकूलन (Progressive Adaptation) की एक प्रक्रिया है।"
- **Gates:** "अनुभव और प्रशिक्षण द्वारा व्यवहार में परिवर्तन ही अधिगम है।"

अधिगम को प्रभावित करने वाले कारक (Factors Affecting Learning)

सीखने की प्रक्रिया कई कारकों द्वारा प्रभावित होती है, जिन्हें मुख्य रूप से तीन भागों में बांटा जा सकता है:

1. व्यक्तिगत कारक (Personal Factors)

- **परिपक्वता (Maturity):** बालक की आयु और शारीरिक-मानसिक परिपक्वता सीखने की गति तय करती है।
- **अभिप्रेरणा (Motivation):** यह सीखने का "राजमार्ग" है। बिना इच्छा के सीखना कठिन है।
- **स्वास्थ्य:** शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ बालक शीघ्र सीखता है।
- **बुद्धि (Intelligence):** तीव्र बुद्धि वाले बालकों की अधिगम क्षमता अधिक होती है।

2. पर्यावरणीय कारक (Environmental Factors)

- **पारिवारिक वातावरण:** घर का शैक्षिक माहौल और माता-पिता का सहयोग।
- **विद्यालय का वातावरण:** उचित बैठने की व्यवस्था, प्रकाश और शांत माहौल।
- **सामाजिक परिवेश:** समाज के मूल्य और संस्कृति।

3. शिक्षक एवं शिक्षण संबंधी कारक

- **शिक्षक का व्यवहार:** शिक्षक का सहानुभूतिपूर्ण व्यवहार सीखने में सहायक होता है।
- **शिक्षण विधियाँ (Teaching Methods):** रोचक और सरल

विधियाँ अधिगम को प्रभावशाली बनाती हैं।

अधिगम की प्रभावशाली विधियाँ (Effective Methods of Learning)

बालकों को सिखाने के लिए मनोवैज्ञानिकों ने कुछ प्रमुख विधियाँ सुझाई हैं:

करके सीखना (Learning by Doing)

यह सबसे प्रभावशाली विधि है क्योंकि इसमें बालक सक्रिय (Active) रहता है और प्राप्त ज्ञान स्थायी होता है।

निरीक्षण करके सीखना (Learning by Observation)

बालक वस्तुओं और घटनाओं का बारीकी से निरीक्षण करके ज्ञान प्राप्त करता है।

परीक्षण करके सीखना (Learning by Experimentation)

प्रयोगात्मक कार्यों के माध्यम से स्वयं निष्कर्ष निकालना।

सामूहिक विधियाँ (Group Methods)

- **वाद-विवाद विधि (Discussion Method):** विचारों के आदान-प्रदान से सीखना।
- **कार्यशाला विधि (Workshop Method):** व्यावहारिक कौशल सीखना।
- **सम्मेलन व विचार-गोष्ठी (Seminar):** गहन चिंतन के साथ सीखना।

थार्नडाइक के अधिगम के नियम
(Thorndike's Laws of Learning)

थार्नडाइक का परिचय (Introduction)

अमेरिकी मनोवैज्ञानिक **E.L. Thorndike** को "प्रथम शैक्षिक मनोवैज्ञानिक" माना जाता है। उन्होंने सीखने के लिए "प्रयत्न एवं भूल का सिद्धांत" (Trial and Error Theory) दिया और सीखने के तीन मुख्य नियम प्रतिपादित किए।

अधिगम के मुख्य नियम (Primary Laws of Learning)

थार्नडाइक ने सीखने की प्रक्रिया को स्पष्ट करने के लिए निम्नलिखित तीन मुख्य नियम बताए हैं:

1. तत्परता का नियम (Law of Readiness)

जब कोई व्यक्ति किसी कार्य को सीखने के लिए मानसिक और शारीरिक रूप से तत्पर (Ready) होता है, तो वह उसे शीघ्र और संतोषजनक ढंग से सीख लेता है।

- यदि बालक सीखने के लिए तैयार नहीं है, तो उसे जबरदस्ती सिखाना झुंझलाहट पैदा करता है।

2. अभ्यास का नियम (Law of Exercise)

यह नियम इस बात पर बल देता है कि किसी कार्य को बार-बार दोहराने से वह दृढ़ हो जाता है। इसके दो उप-भाग हैं:

- **उपयोग का नियम (Law of Use):** बार-बार अभ्यास करने से उद्दीपक (Stimulus) और अनुक्रिया (Response) का संबंध मजबूत होता है।
- **अनुपयोग का नियम (Law of Disuse):** यदि अभ्यास छोड़ दिया जाए, तो सीखा हुआ कार्य विस्मृत (Forget) हो जाता है।

3. प्रभाव का नियम (Law of Effect)

इसे "संतोष और असंतोष का नियम" भी कहते हैं। जिस कार्य को करने से बालक को सुख या संतोष मिलता है, उसे वह जल्दी सीखता है। जिस कार्य से दुःख या कष्ट मिलता है, उसे वह दोहराना नहीं चाहता।

अधिगम में थार्नडाइक के नियमों का महत्व

इन नियमों का शिक्षा के क्षेत्र में अत्यधिक महत्व है:

शैक्षिक उपयोगिता (Educational Significance)

- **उद्देश्य की स्पष्टता:** शिक्षक को पाठ शुरू करने से पहले छात्रों को मानसिक रूप से तैयार (Law of Readiness) करना चाहिए।
- **निरंतर अभ्यास:** गणित, भाषा और कला जैसे विषयों में महारत हासिल करने के लिए अभ्यास (Law of Exercise) अनिवार्य है।
- **पुरस्कार एवं दण्ड:** सीखने की प्रक्रिया में प्रोत्साहन और सकारात्मक परिणामों (Law of Effect) का उपयोग करना चाहिए।
- **सरल से कठिन की ओर:** बालकों को पहले सरल कार्य देकर उनमें सफलता का संतोष पैदा करना चाहिए ताकि वे कठिन कार्य के लिए प्रेरित हों।

यहाँ अधिगम के प्रमुख सिद्धान्त तथा कक्षा शिक्षण में उनकी व्यावहारिक उपयोगिता पर आधारित LaTeX नोट्स दिए गए हैं। इसमें थार्नडाइक, पावलव, स्किनर और कोहलर जैसे मुख्य मनोवैज्ञानिकों के सिद्धांतों को शामिल किया गया है।

अधिगम के प्रमुख सिद्धान्त एवं व्यावहारिक उपयोगिता
(Major Theories of Learning and Educational Implications)

थार्नडाइक का प्रयास एवं त्रुटि का सिद्धान्त (Trial and Error Theory)

इस सिद्धान्त के अनुसार, सीखना उद्दीपक (Stimulus) और अनुक्रिया (Response) के बीच एक मजबूत सम्बन्ध (S-R Bond) बनने की प्रक्रिया है।

कक्षा शिक्षण में उपयोगिता:

- **धैर्य का विकास:** मन्दबुद्धि बालकों को सिखाने के लिए यह अत्यन्त उपयोगी है।
- **निरन्तर अभ्यास:** गणित, शुद्ध उच्चारण और कला जैसे विषयों के लिए अभ्यास पर बल देता है।
- **सफलता के प्रति आशा:** बालक बार-बार गलती करके अन्ततः सही तरीका सीख जाता है।

पावलव का सम्बद्ध प्रतिक्रिया का सिद्धान्त (Classical Conditioning)

रूसी मनोवैज्ञानिक Ivan Pavlov के अनुसार, स्वाभाविक उद्दीपक को अस्वाभाविक उद्दीपक के साथ जोड़कर व्यवहार में परिवर्तन लाया जा सकता है।

कक्षा शिक्षण में उपयोगिता:

- **अच्छी आदतों का निर्माण:** बालकों में सफाई, समय की पाबन्दी और अनुशासन की आदतों का विकास किया जा सकता है।
- **भय दूर करना:** विद्यालय या किसी विशेष विषय के प्रति डर को अनुकूलन द्वारा दूर किया जा सकता है।
- **भाषा विकास:** शब्दों और वस्तुओं के बीच सम्बन्ध स्थापित करके बच्चों को वर्णमाला सिखाई जाती है।

स्किनर का क्रिया-प्रसूत अनुबन्धन सिद्धान्त (Operant Conditioning)

B.F. Skinner के अनुसार, यदि किसी कार्य के बाद 'पुनर्बलन' (Reinforcement) दिया जाए, तो उस कार्य के दोहराए जाने की संभावना बढ़ जाती है।

कक्षा शिक्षण में उपयोगिता:

- **पुनर्बलन का प्रयोग:** छात्रों की सफलता पर उन्हें शाबाशी या पुरस्कार देना ताकि वे और बेहतर करें।
- **अभिक्रमित अनुदेशन (Programmed Instruction):** कठिन पाठ्य-वस्तु को छोटे-छोटे टुकड़ों में बांटकर सिखाना।
- **व्यवहार परिमार्जन:** बालक के अवांछित व्यवहार को सुधारने के लिए नकारात्मक पुनर्बलन का सही उपयोग।

कोहलर का सूझ या अन्तर्दृष्टि का सिद्धान्त (Insight Theory)

यह सिद्धान्त Gestalt (गेस्टाल्ट) मनोविज्ञान पर आधारित है। इसके अनुसार, सीखना 'प्रयास एवं त्रुटि' से नहीं बल्कि अचानक आई 'सूझ' (Insight) से होता है।

कक्षा शिक्षण में उपयोगिता:

- **पूर्ण से अंश की ओर:** शिक्षण में पहले पूरी समस्या (Whole) को बालक के सामने रखना चाहिए, फिर उसके अंगों (Parts) पर चर्चा करनी चाहिए।
- **तार्किक सोच:** यह सिद्धान्त बालकों में रटने की बजाय स्वयं सोचकर समाधान निकालने पर बल देता है।
- **रचनात्मक कार्य:** विज्ञान और गणित जैसे विषयों में समस्या समाधान के लिए यह अत्यन्त प्रभावी है।

थार्नडाइक का प्रयास एवं त्रुटि का सिद्धान्त (Introduction)

अमेरिकी मनोवैज्ञानिक **E.L. Thorndike** ने सीखने की प्रक्रिया को समझाने के लिए इस सिद्धान्त का प्रतिपादन किया। इसे **उद्दीपक-अनुक्रिया सिद्धान्त** (S-R Bond Theory) या **सम्बन्धवाद का सिद्धान्त** (Connectionism) भी कहा जाता है।

मूल अवधारणा

सीखना एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें उद्दीपक (Stimulus) और अनुक्रिया (Response) के बीच एक सम्बन्ध स्थापित होता है। बालक या जीव बार-बार गलतियाँ (त्रुटियाँ) करता है और अंततः सही अनुक्रिया सीख जाता है।

थार्नडाइक का प्रयोग (Experiment)

थार्नडाइक ने अपना मुख्य प्रयोग एक भूखी बिल्ली (Hungry Cat) पर किया।

प्रयोग की विधि:

- एक भूखी बिल्ली को एक 'पहेली बॉक्स' (Puzzle Box) में बंद कर दिया गया।
- बॉक्स के बाहर बिल्ली के लिए भोजन (मछली) रखा गया, जो उद्दीपक (Stimulus) का कार्य कर रहा था।
- बिल्ली ने बाहर निकलने के लिए कई गलत प्रयास किए (जैसे सलाखों को काटना, इधर-उधर कूदना)।
- अचानक उसका पैर एक लीवर (Lever) पर पड़ा और दरवाजा खुल गया।
- बार-बार दोहराने पर बिल्ली ने बिना किसी गलती के लीवर दबाकर दरवाजा खोलना सीख लिया।

सीखने की प्रक्रिया के चरण (Steps of Learning)

थार्नडाइक के अनुसार प्रयास एवं भूल की प्रक्रिया निम्नलिखित चरणों से गुजरती है:

- **चालक (Drive):** जैसे भूख, जो क्रिया के लिए प्रेरित करती है।
- **लक्ष्य (Goal):** जैसे भोजन प्राप्त करना।
- **बाधा (Block):** पिंजरे का बंद दरवाजा।
- **अनियमित अनुक्रियाएँ (Random Responses):** बाहर निकलने के अनेक प्रयास।
- **संयोगवश सफलता:** अचानक लीवर का दबना।
- **सही अनुक्रिया का चयन:** धीरे-धीरे गलतियों को कम करना।

- **स्थिरीकरण (Fixation):** सही तरीके को पूरी तरह सीख लेना।

कक्षा शिक्षण में व्यावहारिक उपयोगिता (Educational Utility)

- **धैर्य और दृढ़ता:** यह सिद्धान्त सिखाता है कि सीखने में समय लगता है, इसलिए शिक्षक और छात्र दोनों में धैर्य होना चाहिए।
- **करके सीखना (Learning by Doing):** बालक स्वयं प्रयोग करके और गलतियों से सीखता है, जिससे ज्ञान स्थायी होता है।
- **मन्दबुद्धि बालकों के लिए उपयोगी:** उन बच्चों के लिए सर्वश्रेष्ठ है जो एक बार में नहीं समझ पाते।
- **विषयगत उपयोगिता:** गणित (Mathematics), विज्ञान और भाषा के शुद्ध उच्चारण सीखने में अभ्यास का बहुत महत्व है।
- **आदतों का निर्माण:** अच्छी आदतों के विकास के लिए बार-बार दोहराव आवश्यक है।

अधिगम का पठार: अर्थ, कारण एवं निराकरण

(Learning Plateau: Meaning, Causes and Remedies)

अधिगम के पठार का अर्थ (Meaning of Learning Plateau)

सीखने की प्रक्रिया हमेशा एक समान नहीं रहती। कभी सीखने की गति तीव्र होती है तो कभी मंद। जब सीखने की गति में ऐसी स्थिरता आ जाए कि अभ्यास करने पर भी कोई उन्नति (Improvement) दिखाई न दे, तो इस अवस्था को अधिगम का पठार कहते हैं।

परिभाषाएं

- **Ross:** "अधिगम का पठार सीखने की प्रक्रिया की वह प्रमुख विशेषता है जो उस अवधि को सूचित करती है जब सीखने की क्रिया में कोई उन्नति नहीं होती।"
- **Skinner:** "पठार क्षैतिज प्रसार (Horizontal Stretch) है, जिससे सीखने में उन्नति का प्रत्यक्ष बोध नहीं होता।"

अधिगम के पठार के कारण (Causes of Learning Plateau)

पठार आने के पीछे कई मनोवैज्ञानिक और शारीरिक कारण हो सकते हैं:

1. शारीरिक सीमा (Physical Limit)

प्रत्येक व्यक्ति की कार्य करने की एक शारीरिक क्षमता होती है। अत्यधिक थकान (Fatigue) होने पर मस्तिष्क और शरीर साथ नहीं देते, जिससे पठार आ जाता है।

2. उत्साह और प्रेरणा का अभाव (Lack of Motivation)

यदि बालक में सीखने के प्रति रुचि (Interest) या उत्साह कम हो जाए, तो सीखने की गति रुक जाती है।

3. दोषपूर्ण शिक्षण विधि (Defective Teaching Method)

यदि शिक्षक कठिन या अरुचिकर विधि से पढ़ाता है, तो छात्र विषय को समझ नहीं पाता और सीखने में पठार आ जाता है।

4. कार्य की जटिलता (Complexity of Task)

जब कोई कार्य बहुत अधिक कठिन होता है, तो बालक उसे सीखने में असमर्थ महसूस करता है और उसकी उन्नति रुक जाती है।

5. पुरानी आदतों का संघर्ष (Conflict of Habits)

कभी-कभी पुरानी सीखी हुई आदतें नए कार्य को सीखने में बाधा पहुँचाती हैं, जिससे पठार उत्पन्न होता है।

पठार का निराकरण (Remedies for Learning Plateau)

शिक्षक और माता-पिता निम्नलिखित उपायों द्वारा पठार को समाप्त कर सकते हैं:

1. शिक्षण विधि में परिवर्तन

यदि एक विधि से समझ नहीं आ रहा, तो शिक्षक को नवीन और रोचक विधियों (Innovative Methods) का प्रयोग करना चाहिए।

2. प्रेरणा और प्रोत्साहन (Motivation)

बालक को समय-समय पर पुरस्कृत करना चाहिए और उसका उत्साह बढ़ाना चाहिए ताकि वह पुन: प्रयास करे।

3. विश्राम और मनोरंजन

थकान दूर करने के लिए उचित विश्राम (Rest) और खेल-कूद की व्यवस्था होनी चाहिए। इससे मानसिक ताज़गी आती है।

4. उपयुक्त वातावरण

सीखने के लिए शांत, प्रकाशयुक्त और संसाधन-पूर्ण वातावरण प्रदान करना चाहिए।

5. व्यक्तिगत ध्यान

शिक्षक को छात्र की व्यक्तिगत कठिनाइयों को समझकर उनका समाधान (Diagnostic and Remedial Teaching) करना चाहिए।

अध्याय–1
बाल विकास एवं शिक्षण विधि

महत्वपूर्ण वस्तुनिष्ठ प्रश्न
(Multiple Type Questions) (MCQs)

1. कोहलर निम्न में किससे सम्बन्धित है ?
   (1) अभिप्रेरणा के सिद्धान्त से
   (2) अधिगम के सिद्धान्त
   (3) व्यक्तित्व के सिद्धान्त
   (4) विकास के सिद्धान्त
   सही उत्तर: (2) अधिगम के सिद्धान्त
   व्याख्या: वुल्फगैंग कोहलर Wolfgang Kohler अधिगम के 'अन्तर्दृष्टि या सूझ के सिद्धान्त' Insight Learning Theory से संबंधित हैं। उन्होंने सुल्तान नामक चिंपांजी पर प्रयोग कर यह सिद्ध किया कि सीखना प्रयास और त्रुटि के बजाय अचानक आई सूझ का परिणाम है।
2. मैकडूगल के अनुसार मूल प्रवृत्तियों की संख्या होती है
   (1) 15
   (2) 10
   (3) 12
   (4) 14
   सही उत्तर: (4) 14
   व्याख्या: विलियम मैकडूगल William McDougall ने मनुष्य की 14 मूल प्रवृत्तियों Instincts की पहचान की थी। उनके अनुसार प्रत्येक मूल प्रवृत्ति के साथ एक विशिष्ट 'संवेग' (Emotion) जुड़ा होता है।
3. मानसिक उद्वेलन प्रतिमान (Brainstorming Model) का प्रयोग निम्न में से किसके शिक्षण हेतु किया जाता है ?
   (1) समझ
   (2) समस्या समाधान
   (3) सृजनात्मकता
   (4) अनुप्रयोग
   सही उत्तर: (3) सृजनात्मकता
   व्याख्या: मानसिक उद्वेलन Brainstorming का मुख्य उद्देश्य छात्रों में सृजनात्मकता Creativity का विकास करना है। एलेक्स ऑसबोर्न द्वारा विकसित इस पद्धति में छात्रों को बिना किसी रोक-टोक के किसी समस्या पर नए और मौलिक विचार देने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।
4. निम्न में किसके प्रयोग में 'कुत्ता' एक विषयी (Subject) था ?
   (1) स्किनर
   (2) कोहलर
   (3) थॉर्नडाइक
   (4) पावलाव
   सही उत्तर: (4) पावलाव
   व्याख्या: इवान पावलाव Ivan Pavlov ने 'शास्त्रीय अनुबंधन' Classical Conditioning के सिद्धांत का प्रतिपादन कुत्ते पर प्रयोग करके किया था। स्किनर ने चूहे और कबूतर पर, जबकि थॉर्नडाइक ने बिल्ली पर प्रयोग किया था।
5. मौलिकता, नमनीयता तथा प्रवाह निम्न में किसके घटक हैं ?
   (1) बुद्धि
   (2) अभिप्रेरणा
   (3) व्यक्तित्व
   (4) सृजनात्मकता
   सही उत्तर: (4) सृजनात्मकता
   व्याख्या: टोरेंस और गिलफोर्ड के अनुसार, सृजनात्मकता Creativity के मुख्य घटक प्रवाह Fluency, नमनीयता (लचीलापन) Flexibility, मौलिकता Originality और विस्तारण (Elaboration) हैं। ये गुण नवीन और उपयोगी विचार उत्पन्न करने में सहायक होते हैं।
6. युयुत्सा (Instinct of Combat) है
   (1) मूल प्रवृत्ति
   (2) चिन्तन
   (3) कल्पना
   (4) संवेग
   सही उत्तर: (1) मूल प्रवृत्ति
   व्याख्या: युयुत्सा Instinct of Combat मैकडूगल द्वारा बताई गई 14 मूल प्रवृत्तियों में से एक है। इसका संबंध 'क्रोध' (Anger) नामक संवेग से है। यह युद्ध करने या संघर्ष करने की जन्मजात प्रवृत्ति है।
7. बालकों के सामाजिक विकास को प्रभावित करने वाले तत्व हैं
   (1) आर्थिक तत्व
   (2) वंशानुगत तत्व
   (3) शारीरिक तत्व

(4) सामाजिक परिवेशजन्य तत्व

सही उत्तर: (4) सामाजिक परिवेशजन्य तत्व

व्याख्या: बालक के सामाजिक विकास Social Development में उसके आसपास का वातावरण, परिवार, विद्यालय और समाज सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। परिवेश के साथ अंत:क्रिया ही बालक के सामाजिक गुणों को निर्धारित करती है।

8. शारीरिक विकास का एक प्रमुख नियम निम्न में से कौन-सा है ?
(1) मानसिक विकास से भिन्नता का नियम
(2) कल्पना और संवेगात्मक विकास से सम्बन्ध का नियम
(3) द्रुतगामी विकास का नियम
(4) अनियमित विकास का नियम

सही उत्तर: (3) द्रुतगामी विकास का नियम

व्याख्या: शारीरिक विकास Physical Development निरंतर होता है, लेकिन इसकी गति हमेशा एक समान नहीं रहती। शैशवावस्था और किशोरावस्था के प्रारंभ में शारीरिक वृद्धि अत्यंत तीव्र या द्रुतगामी Rapid Growth होती है, जिसे द्रुतगामी विकास का नियम कहा जाता है।

9. निम्नलिखित में से कौन-सा विकास का सिद्धान्त नहीं है ?
(1) अनुकूलित प्रत्यावर्तन सिद्धान्त
(2) समान प्रतिमान का सिद्धान्त
(3) परस्परसम्बन्ध का सिद्धान्त
(4) निरन्तर विकास का सिद्धान्त

सही उत्तर: (1) अनुकूलित प्रत्यावर्तन सिद्धान्त

व्याख्या: अनुकूलित प्रत्यावर्तन Conditioned Reflex Theory अधिगम (सीखने) का एक सिद्धान्त है, जिसे पावलाव ने दिया था। जबकि शेष तीनों विकल्प—समान प्रतिमान Uniform Pattern, परस्परसम्बन्ध Interrelation और निरन्तर विकास Continuous Development—विकास के प्रमुख सिद्धान्त हैं।

10. "विकास के परिणाम स्वरूप नवीन विशेषताएँ और नवीन योग्यतायें प्रकट होती हैं" यह कथन ____ ने दिया है।
(1) गेसेल
(2) डगलस और होलैण्ड
(3) मेरेडिथ
(4) हरलॉक

सही उत्तर: (4) हरलॉक

व्याख्या: एलिजाबेथ हरलॉक Elizabeth Hurlock के अनुसार, विकास केवल आकार बढ़ने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें नवीन विशेषताओं और क्षमताओं का उदय होता है जो व्यक्ति को परिपक्वता की ओर ले जाते हैं।

11. पूर्व अनुभव के आधार पर संवेदना को अर्थ प्रदान करना कहलाता है
(1) कल्पना
(2) चिन्तन
(3) स्मृति
(4) प्रत्यक्षीकरण

सही उत्तर: (4) प्रत्यक्षीकरण

व्याख्या: प्रत्यक्षीकरण Perception वह मानसिक प्रक्रिया है जिसमें हम अपनी इंद्रियों (संवेदना) से प्राप्त सूचनाओं को अपने पिछले अनुभवों के आधार पर समझते हैं और उन्हें अर्थ प्रदान करते हैं। संवेदना ज्ञान की पहली सीढ़ी है, जबकि प्रत्यक्षीकरण दूसरी।

12. सीखने में प्रयास व भूल के सिद्धान्त का प्रतिपादन किसने किया ?
(1) कोहलर
(2) गेस्टाल्ट
(3) थॉर्नडाइक
(4) पावलाव

सही उत्तर: (3) थॉर्नडाइक

व्याख्या: एडवर्ड एल. थॉर्नडाइक Edward L. Thorndike ने अधिगम का 'प्रयास एवं त्रुटि' Trial and Error Theory का सिद्धान्त दिया था। उन्होंने बिल्ली पर प्रयोग करके यह बताया कि व्यक्ति गलतियों से सीखता है और सही अनुक्रिया को चुन लेता है।

13. औसत बुद्धि वाले बालकों का बुद्धि लब्धि (IQ) स्तर होगा
(1) 70--79
(2) 110--114
(3) 90--109
(4) 80--89

सही उत्तर: (3) 90--109

व्याख्या: टर्मन Terman के बुद्धि लब्धि वर्गीकरण के अनुसार, 90 से 109 के बीच की बुद्धि लब्धि वाले बालकों को 'सामान्य' या 'औसत' Average Intelligence माना जाता है। 140 से ऊपर वाले प्रतिभाशाली और 70 से नीचे वाले मंदबुद्धि कहलाते हैं।

14. निम्न में से कौन तरल क्रिस्टलीय बुद्धि (Fluid Crystallized Intelligence) के प्रतिमान के प्रतिपादक थे ?
(1) कैटेल
(2) स्किनर
(3) वर्नन
(4) थॉर्नडाइक

सही उत्तर: (1) कैटेल

व्याख्या: आर. बी. कैटेल R.B. Cattell ने बुद्धि के 'तरल एवं ठोस (क्रिस्टलीय) बुद्धि' का सिद्धांत दिया था। तरल बुद्धि वंशानुगत क्षमताओं पर आधारित होती है, जबकि क्रिस्टलीय बुद्धि अर्जित ज्ञान और अनुभवों का परिणाम होती है।

15. क्रिया प्रसूत अधिगम सिद्धान्त (Operant Conditioning Theory) का प्रतिपादन किया
(1) हल
(2) स्किनर
(3) हेगार्टी
(4) थॉर्नडाइक

सही उत्तर: (2) स्किनर

व्याख्या: बी. एफ. स्किनर B.F. Skinner ने क्रिया प्रसूत अधिगम का सिद्धांत दिया था। उन्होंने चूहे और कबूतर पर प्रयोग किया और यह बताया कि व्यवहार के बाद मिलने वाले 'पुनर्बलन' Reinforcement से सीखने की प्रक्रिया सुदृढ़ होती है।

16. 'ब्लू प्रिंट' (Blue Print) निम्न में किसका महत्त्वपूर्ण घटक है ?
(1) परीक्षण निर्माण
(2) परीक्षण अंकन
(3) परीक्षण प्रशासन

(4) परीक्षण वैधता

सही उत्तर: (1) परीक्षण निर्माण

व्याख्या: ब्लू प्रिंट Blue Print परीक्षण निर्माण Test Construction की आधारशिला है। यह एक त्रि-आयामी तालिका होती है जो प्रश्न पत्र में उद्देश्यों, विषय-वस्तु और प्रश्नों के प्रकार (MCQ, लघु उत्तरीय आदि) के भार और वितरण को सुनिश्चित करती है।

17. विकास की पूर्व-संक्रियात्मक अवस्था (Pre-operational Stage) निम्न में किसने दी थी ?
(1) ब्रूनर
(2) स्किनर
(3) कोहलर
(4) पियाजे

सही उत्तर: (4) पियाजे

व्याख्या: जीन पियाजे Jean Piaget ने संज्ञानात्मक विकास की चार अवस्थाएँ बताई थीं। पूर्व-संक्रियात्मक अवस्था Pre-operational Stage इसकी दूसरी अवस्था (2 से 7 वर्ष) है, जिसमें बालक प्रतीकों का उपयोग करना और भाषा सीखना शुरू करता है।

18. एम. एम. पी. आई. (MMPI) परीक्षण का उपयोग निम्न में किसके मापन में किया जाता है ?
(1) व्यक्तित्व
(2) सृजनात्मकता
(3) सम्प्राप्ति
(4) बुद्धि

सही उत्तर: (1) व्यक्तित्व

व्याख्या: एम. पी. पी. आई. Minnesota Multiphasic Personality Inventory (MMPI) एक मनोवैज्ञानिक परीक्षण है जिसका उपयोग व्यक्तित्व Personality के मापन और मनोवैज्ञानिक विकारों के निदान के लिए किया जाता है।

19. अधिगम हेतु निम्न में क्या सर्वाधिक आवश्यक है ?
(1) अभिप्रेरणा
(2) निर्देशन
(3) परिपक्वता
(4) रुचि

सही उत्तर: (1) अभिप्रेरणा

व्याख्या: अभिप्रेरणा Motivation को अधिगम का 'सर्वोच्च राजमार्ग' कहा जाता है। बिना आंतरिक या बाह्य प्रेरणा के सीखने की प्रक्रिया प्रभावी ढंग से शुरू नहीं हो सकती। रुचि और परिपक्वता सहायक तत्व हैं, लेकिन अभिप्रेरणा प्राथमिक आवश्यकता है।

20. शैशवकाल (Infancy) का समय है
(1) 12 वर्ष से 18 वर्ष तक
(2) 15 वर्ष तक
(3) जन्म से 6 वर्ष तक
(4) जन्म से 2 वर्ष तक

सही उत्तर: (4) जन्म से 2 वर्ष तक

व्याख्या: विकासात्मक मनोविज्ञान के अधिकांश वर्गीकरणों के अनुसार, जन्म से 2 वर्ष तक की अवस्था को शैशवावस्था Infancy माना जाता है। 2 से 6 वर्ष तक की अवस्था पूर्व-बाल्यावस्था कहलाती है।

21. कोहलर अपने प्रयोग से यह सिद्ध करना चाहते थे कि अधिगम
(1) समग्र परिस्थिति का प्रत्यक्षीकरण है
(2) मानव का अधिगम प्रयोजनपूर्ण है
(3) जानवरों में मनुष्यों से श्रेष्ठ है
(4) एक स्वतन्त्र क्रिया है

सही उत्तर: (1) समग्र परिस्थिति का प्रत्यक्षीकरण है

व्याख्या: गेस्टाल्टवादी Gestaltist होने के नाते कोहलर का मानना था कि अधिगम अंशों में नहीं, बल्कि 'पूर्ण' Whole के रूप में होता है। व्यक्ति समस्या का समाधान पूरी परिस्थिति को समझकर और उसके बीच संबंध स्थापित करके (प्रत्यक्षीकरण) करता है।

22. किसने पाठ योजना की 'पंचपद प्रणाली' (Five Step System) प्रतिपादित किया ?
(1) जान डीवी
(2) ब्लूम
(3) किलपैट्रिक
(4) हरबर्ट

सही उत्तर: (4) हरबर्ट

व्याख्या: जे. एफ. हरबर्ट J.F. Herbart ने पाठ योजना के पाँच चरण दिए थे: 1. प्रस्तावना, 2. प्रस्तुतीकरण, 3. तुलना, 4. सामान्यीकरण और 5. प्रयोग। इसे 'हरबर्ट की पंचपदी' कहा जाता है।

23. निम्नलिखित में ग्रन्थियों के आधार पर व्यक्तित्व के विभिन्न प्रकारों की चर्चा किसने की है ?
(1) क्रेशमर
(2) स्प्रैन्जर
(3) कैनन
(4) जुंग

सही उत्तर: (3) कैनन

व्याख्या: वाल्टर कैनन Walter Cannon ने अंतःस्रावी ग्रंथियों Endocrine Glands के आधार पर व्यक्तित्व का वर्गीकरण किया था। क्रेशमर ने शरीर की बनावट के आधार पर और जुंग ने सामाजिक अंतःक्रिया (अंतर्मुखी/बहिर्मुखी) के आधार पर वर्गीकरण किया था।

24. 'सृजनात्मकता मौलिक परिणामों को अभिव्यक्त करने की मानसिक प्रक्रिया है।' यह कथन है
(1) कोल एवं ब्रूस का
(2) क्रो एवं क्रो का
(3) डीहान का
(4) ड्रेवहल का

सही उत्तर: (2) क्रो एवं क्रो का

व्याख्या: यह सृजनात्मकता Creativity की एक प्रसिद्ध परिभाषा है जो क्रो एवं क्रो Crow & Crow द्वारा दी गई है। यह परिभाषा मौलिकता Originality पर विशेष बल देती है।

25. बी. एफ. स्किनर के अनुसार बच्चों में भाषा का विकास होता है
(1) जन्मजात क्षमताओं के फलस्वरूप
(2) व्याकरण में प्रशिक्षण के फलस्वरूप
(3) अनुकरण एवं प्रबलन के फलस्वरूप
(4) परिपक्वता के फलस्वरूप

सही उत्तर: (3) अनुकरण एवं प्रबलन के फलस्वरूप

व्याख्या: बी. एफ. स्किनर B.F. Skinner के अनुसार, बच्चे

अपने बड़ों का अनुकरण Imitation करके और सही शब्द बोलने पर मिलने वाले प्रबलन (पुनर्बलन) Reinforcement के माध्यम से भाषा सीखते हैं। इसके विपरीत चोमस्की ने 'जन्मजात क्षमता' का सिद्धांत दिया था।

26. मूल प्रवृत्तियों को चौदह प्रकार से ____ ने वर्गीकृत किया है।
(1) ड्रेवर
(2) वुडवर्थ
(3) थॉर्नडाइक
(4) मैकडूगल
सही उत्तर: (4) मैकडूगल
व्याख्या: विलियम मैकडूगल William McDougall ने मानव व्यवहार की व्याख्या के लिए 14 मूल प्रवृत्तियों Instincts का वर्गीकरण प्रस्तुत किया था। उन्होंने बताया कि प्रत्येक मूल प्रवृत्ति एक विशिष्ट संवेग से जुड़ी होती है।

27. 'किसी दूसरी वस्तु की अपेक्षा एक वस्तु पर चेतना का केन्द्रीकरण अवधान (Attention) है' यह कथन है
(1) डम्विल का
(2) मैकडूगल का
(3) मन का
(4) रॉस का
सही उत्तर: (1) डम्विल का
व्याख्या: यह अवधान Attention की एक अत्यंत सटीक परिभाषा है जो डम्विल Dumville द्वारा दी गई है। यह स्पष्ट करती है कि ध्यान किसी एक विचार या वस्तु पर चेतना को एकाग्र करने की प्रक्रिया है।

28. निम्नलिखित में किसका नाम 'सुजननशास्त्र के पिता' (Father of Eugenics) से जुड़ा हुआ है ?
(1) क्रो एवं क्रो
(2) वुडवर्थ
(3) रॉस
(4) गाल्टन
सही उत्तर: (4) गाल्टन
व्याख्या: सर फ्रांसिस गाल्टन Sir Francis Galton को सुजननशास्त्र Eugenics का जनक माना जाता है। उन्होंने आनुवंशिकता और व्यक्तिगत भिन्नताओं पर व्यापक शोध किया और 'हेरेडिटरी जीनियस' नामक पुस्तक लिखी।

29. 12 वर्ष से 16 वर्ष के बालकों हेतु हिन्दी में डॉ. एस. जलोटा ने कौन-सा परीक्षण प्रतिपादित किया है ?
(1) अशाब्दिक बुद्धि परीक्षण
(2) चित्रांकन परीक्षण
(3) आर्मी अल्फा टेस्ट
(4) साधारण मानसिक योग्यता परीक्षण
सही उत्तर: (4) साधारण मानसिक योग्यता परीक्षण
व्याख्या: डॉ. एस. जलोटा ने 12 से 16 वर्ष के किशोरों के लिए 'साधारण मानसिक योग्यता परीक्षण' General Mental Ability Test का निर्माण किया था। यह एक समूह बुद्धि परीक्षण है जो विशेष रूप से हिन्दी भाषी छात्रों के लिए डिज़ाइन किया गया था।

30. बुद्धि के 'द्विकारक सिद्धान्त' (Two-factor Theory) का प्रतिपादन किसने किया ?
(1) थॉर्नडाइक
(2) स्टर्न
(3) वर्नन
(4) स्पीयरमैन
सही उत्तर: (4) स्पीयरमैन
व्याख्या: चार्ल्स स्पीयरमैन Charles Spearman ने बुद्धि का द्विकारक सिद्धांत दिया था। उनके अनुसार बुद्धि में दो तत्व होते हैं: एक 'सामान्य कारक' (G-factor) जो सभी मानसिक कार्यों में समान होता है, और दूसरा 'विशिष्ट कारक' (S-factor) जो विशेष कार्यों के लिए होता है।

31. निम्न में से कौन-सा शिक्षा मनोविज्ञान की सर्वाधिक व्यक्तिनिष्ठ विधि है ?
(1) निरीक्षण
(2) बहिर्दर्शन
(3) प्रयोगीकरण
(4) अन्तर्दर्शन
सही उत्तर: (4) अन्तर्दर्शन
व्याख्या: अन्तर्दर्शन Introspection विधि को मनोविज्ञान की प्राचीनतम और सर्वाधिक व्यक्तिनिष्ठ Subjective विधि माना जाता है। इसमें व्यक्ति स्वयं के मानसिक अनुभवों का स्वयं ही विश्लेषण करता है।

32. एल्बर्ट बण्डूरा निम्न में से किससे सम्बन्धित है ?
(1) संज्ञानात्मक विकास का सिद्धान्त
(2) व्यवहारवादी सिद्धान्त
(3) मनोलैंगिक विकास
(4) सामाजिक अधिगम सिद्धान्त
सही उत्तर: (4) सामाजिक अधिगम सिद्धान्त
व्याख्या: एल्बर्ट बण्डूरा ने सामाजिक अधिगम सिद्धान्त Social Learning Theory का प्रतिपादन किया। उनके अनुसार बालक समाज में उपलब्ध मॉडलों के व्यवहार का अनुकरण Imitation करके सीखता है।

33. अधिगम में पठार निम्न में से किस कारण बनता है ?
(1) थकान द्वारा
(2) अभिप्रेरणा द्वारा
(3) रुचि द्वारा
(4) परिपक्वता द्वारा
सही उत्तर: (1) थकान द्वारा
व्याख्या: अधिगम का पठार Learning Plateau तब बनता है जब सीखने की गति रुक जाती है। इसका मुख्य कारण शारीरिक या मानसिक थकान Fatigue होता है। अन्य विकल्प अधिगम को प्रोत्साहित करते हैं।

34. दर्पण चित्र परीक्षण किसे मापने हेतु प्रयुक्त होता है ?
(1) सृजनात्मकता को
(2) अधिगम अन्तरण को
(3) अभिरुचि को
(4) अधिगम की गति को
सही उत्तर: (2) अधिगम अन्तरण को
व्याख्या: दर्पण चित्र परीक्षण Mirror Drawing Test का प्रयोग अधिगम के अन्तरण Transfer of Learning को मापने के लिए किया जाता है। यह मनो-शारीरिक समन्वय का भी परीक्षण करता है।

35. क्लाउड पिक्चर परीक्षण निम्न में से किसके मापन में प्रयुक्त

होता है ?
(1) अभिक्षमता
(2) व्यक्तित्व
(3) अभिरुचि
(4) बुद्धि
सही उत्तर: (2) व्यक्तित्व
व्याख्या: क्लाउड पिक्चर परीक्षण Cloud Picture Test व्यक्तित्व Personality मापन की एक प्रक्षेपी विधि है। यह व्यक्ति के अचेतन विचारों को जानने में सहायता करती है।

36. पाँच वर्ष के मोहन की मानसिक आयु आठ वर्ष है, उसकी बुद्धि लब्धि कितनी है ?
(1) 140
(2) 160
(3) 135
(4) 150
सही उत्तर: (2) 160
व्याख्या: बुद्धि लब्धि Intelligence Quotient का सूत्र $IQ = \frac{MA}{CA} \times 100$ है। यहाँ $MA = 8$ और $CA = 5$ है, अतः $\frac{8}{5} \times 100 = 160$ होगा।

37. इनमें से कौन-सा आई.क्यू. स्तर मन्दबुद्धि बालकों का प्रशिक्षण योग्य आई.क्यू. स्तर कहलाता है ?
(1) $36 - 49$
(2) 50-69
(3) 35 एवं निम्न
(4) $70 - 79$
सही उत्तर: (1) $36 - 49$
व्याख्या: $36 - 49$ के बीच के आई.क्यू. IQ स्तर वाले बालकों को 'प्रशिक्षण योग्य' Trainable मन्दबुद्धि बालक कहा जाता है, जिन्हें दैनिक जीवन के कार्यों के लिए तैयार किया जा सकता है।

38. रोशा इंक ब्लाट टेस्ट का प्रयोग निम्न में से किसके मापन हेतु किया जाता है ?
(1) रुचि
(2) बुद्धि
(3) अभिक्षमता
(4) व्यक्तित्व
सही उत्तर: (4) व्यक्तित्व
व्याख्या: हरमन रोशा द्वारा विकसित Rorschach Inkblot Test व्यक्तित्व Personality मापन की एक प्रमुख प्रक्षेपी विधि है। इसमें 10 स्याही के धब्बों वाले कार्डों का उपयोग अचेतन मन के विश्लेषण के लिए किया जाता है।

39. यह विस्मृति का कारण नहीं है
(1) मानसिक द्वन्द्व
(2) स्मरण करने की इच्छा
(3) सीखने की दोषपूर्ण विधियाँ
(4) सीखने में कमी
सही उत्तर: (2) स्मरण करने की इच्छा
व्याख्या: विस्मृति Forgetting का अर्थ है सीखी गई बात को याद रखने में असफलता। स्मरण करने की इच्छा सीखने में सहायक होती है, जबकि मानसिक द्वन्द्व Mental Conflict और दोषपूर्ण विधियाँ विस्मृति को बढ़ावा देती हैं।

40. वह विज्ञान जो संख्यात्मक प्रदत्त को एकत्र करने, विभाजित करने, प्रस्तुत करने, तुलना करने और व्याख्या करने की विधि से सम्बन्धित है, वह कहलाता है
(1) ज्यामिति
(2) गणित
(3) सम्भाव्यता
(4) सांख्यिकी
सही उत्तर: (4) सांख्यिकी
व्याख्या: सांख्यिकी Statistics वह विज्ञान है जो आंकड़ों Data के संग्रहण, वर्गीकरण, प्रस्तुतीकरण और विश्लेषण से संबंधित है। यह शैक्षिक अनुसंधान में डेटा की व्याख्या करने हेतु अत्यंत महत्वपूर्ण है।

41. निम्न में कौन शेष से भिन्न है ?
(1) रेवेन का परीक्षण
(2) 16 - पी. एफ.
(3) ड्रा ए मैन परीक्षण
(4) टी. ए. टी.
सही उत्तर: (1) रेवेन का परीक्षण
व्याख्या: रेवेन का प्रोग्रेसिव मैट्रिसेस Raven's Progressive Matrices एक बुद्धि परीक्षण Intelligence Test है। जबकि 16-PF, Draw-a-Man और TAT व्यक्तित्व Personality मापन से संबंधित परीक्षण हैं।

42. $7, 8, 9, 10, 11, 12$ का मध्यांक है
(1) 10
(2) 9
(3) 9.5
(4) 8
सही उत्तर: (3) 9.5
व्याख्या: मध्यांक Median निकालने के लिए पदों की संख्या $n = 6$ (सम) है। अतः सूत्र $\frac{(\frac{n}{2})\square\square+(\frac{n}{2}+1)\square\square}{2}$ के अनुसार: $\frac{9+10}{2} = 9.5$ होगा।

43. सूझ या अन्तर्दृष्टि के सिद्धान्त का प्रतिपादन किया
(1) हेगार्टी
(2) गेस्टाल्टवादी मनोवैज्ञानिक
(3) स्किन्नर
(4) थॉर्नडाइक
सही उत्तर: (2) गेस्टाल्टवादी मनोवैज्ञानिक
व्याख्या: अन्तर्दृष्टि का सिद्धान्त Insight Learning Theory कोहलर, कोफ्का और वर्दीमर जैसे गेस्टाल्टवादी Gestaltist मनोवैज्ञानिकों द्वारा दिया गया था। इन्होंने सुल्तान नामक चिम्पांजी पर प्रयोग किया था।

44. मैक्डूगल के अनुसार प्रत्येक मूल प्रवृत्ति से सम्बद्ध होता है
(1) संवेदना
(2) संवेग
(3) चिन्तन
(4) संज्ञान
सही उत्तर: (2) संवेग
व्याख्या: विलियम मैक्डूगल के अनुसार मनुष्य में 14 मूल प्रवृत्तियाँ Instincts होती हैं और प्रत्येक मूल प्रवृत्ति के साथ एक विशिष्ट संवेग Emotion जुड़ा होता है। जैसे 'पलायन' मूल प्रवृत्ति का संवेग 'भय' है।

45. पूर्व अनुभव के आधार पर संवेदना को अर्थ प्रदान करना कहलाता

है
(1) अभिप्रेरणा
(2) प्रत्यक्षज्ञान
(3) कल्पना
(4) संवेदना
सही उत्तर: (2) प्रत्यक्षज्ञान
व्याख्या: जब हम अपनी ज्ञानेन्द्रियों द्वारा प्राप्त संवेदना Sensation को पूर्व अनुभवों के आधार पर पहचानते हैं या उसे अर्थ प्रदान करते हैं, तो उसे प्रत्यक्षज्ञान Perception कहा जाता है।

46. पिछड़े बालकों के लिए शैक्षिक लब्धि की अवधारणा किसने दी है ?
(1) बर्टन हाल
(2) शोनेल
(3) सिरिल बर्ट
(4) गोर्डेन
सही उत्तर: (3) सिरिल बर्ट
व्याख्या: सिरिल बर्ट Cyril Burt ने पिछड़े बालकों Backward Children के अध्ययन के आधार पर शैक्षिक लब्धि Educational Quotient - EQ की अवधारणा दी। उनके अनुसार, जिस बालक की शैक्षिक लब्धि 85 से कम होती है, उसे पिछड़ा बालक माना जाता है।

47. निम्न में से कौन-सा एक उत्तम परीक्षण की विशेषताओं से भिन्न है ?
(1) वस्तुनिष्ठता
(2) वैधता
(3) अभिक्षमता
(4) विश्वसनीयता
सही उत्तर: (3) अभिक्षमता
व्याख्या: एक उत्तम परीक्षण Good Test की मुख्य विशेषताएँ वस्तुनिष्ठता Objectivity, वैधता Validity और विश्वसनीयता Reliability होती हैं। अभिक्षमता Aptitude स्वयं में एक मापन का क्षेत्र है, न कि परीक्षण की विशेषता।

48. निम्न में से कौन-सा बुद्धि का सिद्धान्त नहीं है ?
(1) प्रत्यागमन का सिद्धान्त
(2) द्वि तत्व का सिद्धान्त
(3) बहुतत्व का सिद्धान्त
(4) एक तत्व का सिद्धान्त
सही उत्तर: (1) प्रत्यागमन का सिद्धान्त
व्याख्या: प्रत्यागमन का सिद्धान्त Theory of Regression आनुवंशिकता Heredity से संबंधित है, जो बताता है कि प्रतिभाशाली माता-पिता की संतानें कम बुद्धि वाली हो सकती हैं। अन्य तीनों विकल्प बुद्धि Intelligence के प्रसिद्ध सिद्धान्त हैं।

49. निम्नलिखित में से कौन अन्त:स्रावी ग्रन्थि नहीं है ?
(1) लार ग्रन्थि
(2) पीयूष ग्रन्थि
(3) थॉयराइड ग्रन्थि
(4) एड्रिनल ग्रन्थि
सही उत्तर: (1) लार ग्रन्थि
व्याख्या: लार ग्रन्थि Salivary Gland एक बाह्यस्रावी Exocrine Gland ग्रन्थि है। पीयूष Pituitary, थॉयराइड और एड्रिनल ग्रन्थियाँ अन्त:स्रावी Endocrine Gland हैं, जो सीधे रक्त में हार्मोन स्रावित करती हैं।

50. पियाजे के अनुसार संज्ञानात्मक विकास की द्वितीय अवस्था है
(1) पूर्व संक्रियात्मक अवस्था
(2) औपचारिक संक्रिया अवस्था
(3) मूर्त संक्रिया अवस्था
(4) संवेदनात्मक गामक अवस्था
सही उत्तर: (1) पूर्व संक्रियात्मक अवस्था
व्याख्या: जीन पियाजे के अनुसार संज्ञानात्मक विकास Cognitive Development की द्वितीय अवस्था 'पूर्व संक्रियात्मक अवस्था' Pre-operational Stage (2 से 7 वर्ष) है। प्रथम अवस्था 'संवेदी प्रेरक अवस्था' होती है।

51. मूल प्रवृत्ति की एक प्रमुख विशेषता है जो पायी जाती है
(1) सभी प्राणियों में तथा जन्मजात व प्राकृतिक होती है
(2) केवल चूहे तथा बिल्लियों में
(3) केवल कलाकारों में
(4) केवल मनुष्यों में
सही उत्तर: (1) सभी प्राणियों में तथा जन्मजात व प्राकृतिक होती है
व्याख्या: मूल प्रवृत्तियाँ Instincts जन्मजात, प्राकृतिक और सार्वभौमिक Universal होती हैं। ये मनुष्य और पशु दोनों में समान रूप से पायी जाती हैं और व्यवहार को प्रेरित करती हैं।

52. भारतीय संविधान में 6-14 वर्ष के बच्चों के लिए नि:शुल्क व अनिवार्य शिक्षा का अधिकार निम्न में शामिल है
(1) अनुच्छेद 45 में
(2) अनुच्छेद 15 में
(3) अनुच्छेद 21 A में
(4) अनुच्छेद 26 में
सही उत्तर: (3) अनुच्छेद 21 A में
व्याख्या: 86वें संविधान संशोधन अधिनियम, 2002 के द्वारा अनुच्छेद 21 A Article 21 A जोड़ा गया, जो 6 से 14 वर्ष के बच्चों के लिए शिक्षा को एक मौलिक अधिकार Fundamental Right बनाता है।

53. क्रेशमर ने व्यक्ति को निम्न में से किस प्रमुख प्रकारों में वर्गीकृत किया है ?
(1) गोलकाय
(2) सुडौलकाय
(3) इनमें से सभी
(4) लम्बकाय
सही उत्तर: (3) इनमें से सभी
व्याख्या: जर्मन मनोवैज्ञानिक क्रेशमर Kretschmer ने शरीर रचना के आधार पर व्यक्तित्व को तीन मुख्य भागों में बाँटा है: लम्बकाय Asthenic, सुडौलकाय Athletic और गोलकाय Pyknic। अतः ये सभी विकल्प सही हैं।

54. टी.ई.टी. का उद्देश्य निम्न में किसका मापन है ?
(1) अभिवृत्ति
(2) अभिक्षमता
(3) मूल्य
(4) बौद्धिक क्षमता
सही उत्तर: (2) अभिक्षमता

व्याख्या: शिक्षक पात्रता परीक्षा Teacher Eligibility Test - TET का मुख्य उद्देश्य शिक्षण कार्य के लिए व्यक्ति की अभिक्षमता Aptitude का मापन करना है, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि उसमें शिक्षक बनने के आवश्यक गुण हैं या नहीं।

55. संघनन का सिद्धान्त निम्न में से किसकी व्याख्या करता है ?
(1) अभिप्रेरणा
(2) स्मृति
(3) सृजनात्मकता
(4) अधिगम
सही उत्तर: (2) स्मृति
व्याख्या: संघनन का सिद्धान्त Consolidation Theory स्मृति Memory से संबंधित है। यह बताता है कि मस्तिष्क किस प्रकार नई जानकारी को अल्पकालिक स्मृति से दीर्घकालिक स्मृति में स्थायी रूप से संचित Storage करता है।

56. निम्न में से शारीरिक विकास को प्रभावित करने वाला कारक क्या है ?
(1) खेल तथा व्यायाम
(2) वातावरण
(3) इनमें से सभी
(4) वंशानुक्रम
सही उत्तर: (3) इनमें से सभी
व्याख्या: शारीरिक विकास Physical Development को वंशानुक्रम Heredity, वातावरण Environment और नियमित खेल एवं व्यायाम Exercise तीनों ही प्रभावित करते हैं।

57. बुद्धि लब्धि की गणना का सही सूत्र निम्नलिखित में से कौन है ?
(1) $\frac{\text{वास्तविक आयु}}{\text{मानसिक आयु}} \times 100$
(2) $\frac{\text{वास्तविक आयु}}{\text{मानसिक आयु}}$
(3) वास्तविक आयु $\times$ 100
(4) $\frac{\text{मानसिक आयु}}{\text{वास्तविक आयु}} \times 100$
सही उत्तर: (4) $\frac{\text{मानसिक आयु}}{\text{वास्तविक आयु}} \times 100$
व्याख्या: बुद्धि लब्धि IQ की गणना के लिए विलियम स्टर्न ने विचार दिया और टर्मन ने इस सूत्र को पूर्ण किया: IQ = $\frac{\text{MA (Mental Age)}}{\text{CA (Chronological Age)}} \times 100$

58. विचारात्मक चिन्तन की चर्चा निम्न में से किसने की है ?
(1) वुडवर्थ
(2) रास
(3) ड्रेवर
(4) डीवी
सही उत्तर: (4) डीवी
व्याख्या: जॉन डीवी John Dewey ने विचारात्मक चिन्तन Reflective Thinking की चर्चा की है। उनके अनुसार, यह समस्या समाधान की एक तर्कपूर्ण प्रक्रिया है जो किसी भी क्रिया को करने से पूर्व उसके परिणामों पर विचार करती है।

59. आगमनात्मक तर्क के स्तरों में कौन शामिल नहीं है ?
(1) सामान्यीकरण
(2) प्रयोग
(3) कल्पना
(4) अवलोकन
सही उत्तर: (3) कल्पना
व्याख्या: आगमनात्मक तर्क Inductive Reasoning के मुख्य सोपानों में अवलोकन Observation, प्रयोग Experimentation और सामान्यीकरण Generalization शामिल हैं। कल्पना Imagination इसका औपचारिक स्तर नहीं है।

60. सीखी गयी बात को धारण और पुनः स्मरण करने में असफल होना
(1) धारणा है
(2) स्मरण है
(3) चिन्तन है
(4) विस्मरण है
सही उत्तर: (4) विस्मरण है
व्याख्या: सीखी गई विषय-वस्तु को मस्तिष्क में संचित न रख पाना या आवश्यकता पड़ने पर उसे याद न कर पाना विस्मरण Forgetting कहलाता है। यह विस्मृति की एक नकारात्मक प्रक्रिया है।

61. निम्न में से कौन-सी शिक्षा मनोविज्ञान की सर्वाधिक व्यक्तिनिष्ठ (Subjective) विधि है?
(1) निरीक्षण
(2) बहिर्दर्शन
(3) प्रयोगीकरण
(4) अन्तर्दर्शन
सही उत्तर: (4) अन्तर्दर्शन
व्याख्या: अन्तर्दर्शन (Introspection) विधि में व्यक्ति स्वयं के मानसिक अनुभवों का अवलोकन करता है, इसलिए यह सबसे अधिक व्यक्तिनिष्ठ मानी जाती है। बहिर्दर्शन और प्रयोगीकरण वस्तुनिष्ठ (Objective) विधियाँ हैं।

62. अल्बर्ट बण्डूरा निम्न में से किससे सम्बन्धित हैं?
(1) संज्ञानात्मक विकास का सिद्धान्त
(2) व्यवहारवादी सिद्धान्त
(3) मनोलैंगिक विकास
(4) सामाजिक अधिगम सिद्धान्त
सही उत्तर: (4) सामाजिक अधिगम सिद्धान्त
व्याख्या: अल्बर्ट बण्डूरा (Albert Bandura) ने सामाजिक अधिगम सिद्धान्त (Social Learning Theory) दिया था, जिसमें उन्होंने 'अनुकरण' (Imitation) और 'मॉडलिंग' के माध्यम से सीखने पर बल दिया।

63. अधिगम में पठार (Plateau in Learning) निम्न में से किस कारण बनता है?
(1) थकान द्वारा
(2) अभिप्रेरणा द्वारा
(3) रुचि द्वारा
(4) परिपक्वता द्वारा
सही उत्तर: (1) थकान द्वारा
व्याख्या: अधिगम में पठार वह अवस्था है जहाँ सीखने की गति शून्य हो जाती है। इसके मुख्य कारणों में थकान, उत्साह की कमी, या कार्य की जटिलता शामिल हैं। अभिप्रेरणा और रुचि अधिगम को बढ़ाते हैं, पठार नहीं बनाते।

64. दर्पण चित्र परीक्षण (Mirror Drawing Test) किसे मापने हेतु प्रयुक्त होता है?
(1) सृजनात्मकता को

(2) अधिगम अन्तरण को
(3) अभिरुचि को
(4) अधिगम की गति को
सही उत्तर: (2) अधिगम अन्तरण को
व्याख्या: दर्पण चित्र परीक्षण का उपयोग अधिगम अन्तरण (Transfer of Learning) और मनो-प्रेरक कौशल सीखने के मापन के लिए किया जाता है।

65. क्लाउड पिक्चर परीक्षण (Cloud Picture Test) निम्न में से किसके मापन में प्रयुक्त होता है?
(1) अभिक्षमता
(2) व्यक्तित्व
(3) अभिरुचि
(4) बुद्धि
सही उत्तर: (2) व्यक्तित्व
व्याख्या: क्लाउड पिक्चर टेस्ट एक प्रक्षेपी विधि (Projective Technique) है, जिसका उपयोग व्यक्तित्व (Personality) मापन के लिए किया जाता है। विलियम स्टर्न ने इसे विकसित किया था।

66. पाँच वर्ष के मोहन की मानसिक आयु आठ वर्ष है, उसकी बुद्धि लब्धि (I.Q.) कितनी है?
(1) 140
(2) 160
(3) 135
(4) 150
सही उत्तर: (2) 160
व्याख्या: बुद्धि लब्धि (I.Q.) का सूत्र $= \frac{\text{मानसिक आयु (□□)}}{\text{वास्तविक आयु (□□)}} \times 100$
I.Q. $= \frac{8}{5} \times 100 = 160$

67. इनमें से कौन-सा आई.क्यू. स्तर मन्दबुद्धि बालकों का 'प्रशिक्षण योग्य' (Trainable) आई.क्यू. स्तर कहलाता है?
(1) $36 - 49$
(2) $50 - 69$
(3) 35 एवं निम्न
(4) $70 - 79$
सही उत्तर: (1) $36 - 49$
व्याख्या: $50 - 69$ वाले बालक 'शिक्षण योग्य' (Educable) होते हैं, जबकि $36 - 49$ आई.क्यू. वाले बालकों को 'प्रशिक्षण योग्य' (Trainable) माना जाता है। 35 से नीचे वाले 'अति गंभीर' श्रेणी में आते हैं।

68. रोशा इंक ब्लाट टेस्ट (Rorschach Ink Blot Test) का प्रयोग निम्न में से किसके मापन हेतु किया जाता है?
(1) रुचि
(2) बुद्धि
(3) अभिक्षमता
(4) व्यक्तित्व
सही उत्तर: (4) व्यक्तित्व
व्याख्या: हरमन रोशा द्वारा विकसित यह एक प्रक्षेपी विधि (Projective Technique) है, जिसमें 10 स्याही के धब्बों वाले कार्डों का उपयोग व्यक्तित्व (Personality) के अचेतन पहलुओं को मापने के लिए किया जाता है।

69. यह विस्मृति (Forgetting) का कारण नहीं है:
(1) मानसिक द्वन्द्व
(2) स्मरण करने की इच्छा
(3) सीखने की दोषपूर्ण विधियाँ
(4) सीखने में कमी
सही उत्तर: (2) स्मरण करने की इच्छा
व्याख्या: स्मरण करने की इच्छा सीखने में सहायक होती है, न कि भूलने में। मानसिक द्वन्द्व (Mental Conflict), दोषपूर्ण विधियाँ और अभ्यास की कमी विस्मृति के प्रमुख कारण हैं।

70. वह विज्ञान जो संख्यात्मक प्रदत्त (Numerical Data) को एकत्र करने, विभाजित करने, प्रस्तुत करने, तुलना करने और व्याख्या करने की विधि से सम्बन्धित है, वह कहलाता है:
(1) ज्यामिति
(2) गणित
(3) सम्भाव्यता
(4) सांख्यिकी
सही उत्तर: (4) सांख्यिकी
व्याख्या: सांख्यिकी (Statistics) वह विज्ञान है जिसमें आंकड़ों का संग्रहण, संगठन, विश्लेषण और व्याख्या की जाती है।

71. निम्न में कौन शेष से भिन्न है?
(1) रैवेन का परीक्षण
(2) 16-पी.एफ. (16-PF)
(3) ड्रा-ए-मैन परीक्षण
(4) टी.ए.टी. (T.A.T.)
सही उत्तर: (1) रैवेन का परीक्षण
व्याख्या: रैवेन का प्रोग्रेसिव मैट्रिसेस एक 'बुद्धि परीक्षण' (Intelligence Test) है, जबकि अन्य तीनों (16-□□, ड्रा-ए-मैन और □□□) व्यक्तित्व मापन की विधियाँ हैं।

72. $7, 8, 9, 10, 11, 12$ का मध्यांक (Median) है:
(1) 10
(2) 9
(3) 9.5
(4) 8
सही उत्तर: (3) 9.5
व्याख्या: पदों की संख्या $n = 6$ (सम) है।
मध्यांक $= \frac{(\frac{n}{2})\text{वाँ पद} + (\frac{n}{2}+1)\text{वाँ पद}}{2} = \frac{\text{3रा पद} + \text{4था पद}}{2}$
मध्यांक $= \frac{9+10}{2} = 9.5$

73. 'सूझ या अन्तर्दृष्टि' (Insight) के सिद्धान्त का प्रतिपादन किया:
(1) हेगार्टी
(2) गेस्टाल्टवादी मनोवैज्ञानिक
(3) स्किनर
(4) थॉर्नडाइक
सही उत्तर: (2) गेस्टाल्टवादी मनोवैज्ञानिक
व्याख्या: कोहलर, कोफ्का और वर्दीमर जैसे गेस्टाल्टवादियों ने इस सिद्धान्त का प्रतिपादन किया। कोहलर ने सुल्तान नामक चिंपांजी पर अपना प्रसिद्ध प्रयोग किया था।

74. मैक्डूगल के अनुसार प्रत्येक मूल प्रवृत्ति (Instinct) से सम्बद्ध होता है:
(1) संवेदना
(2) संवेग
(3) चिन्तन
(4) संज्ञान

सही उत्तर: (2) संवेग

व्याख्या: विलियम मैक्डूगल ने 14 मूल प्रवृत्तियाँ बताई हैं और कहा है कि प्रत्येक मूल प्रवृत्ति के साथ एक विशिष्ट संवेग (Emotion) जुड़ा होता है।

75. पूर्व अनुभव के आधार पर संवेदना को अर्थ प्रदान करना कहलाता है:
(1) अभिप्रेरणा
(2) प्रत्यक्षज्ञान
(3) कल्पना
(4) संवेदना

सही उत्तर: (2) प्रत्यक्षज्ञान

व्याख्या: प्रत्यक्षज्ञान (Perception) वह प्रक्रिया है जिसमें मस्तिष्क संवेदी सूचनाओं को पहचानता है और उन्हें अर्थ प्रदान करता है।

76. पिछड़े बालकों के लिए 'शैक्षिक लब्धि' (Educational Quotient) की अवधारणा किसने दी है?
(1) बर्टन हाल
(2) शोनेल
(3) सिरिल बर्ट
(4) गोर्डेन

सही उत्तर: (3) सिरिल बर्ट

व्याख्या: सिरिल बर्ट (Cyril Burt) ने पिछड़े बालकों की पहचान के लिए शैक्षिक लब्धि (E.Q.) का सूत्र दिया था। उनके अनुसार, जिस बालक की शैक्षिक लब्धि 85 से कम होती है, उसे पिछड़ा बालक माना जाता है।

77. निम्न में से कौन-सा एक उत्तम परीक्षण (Good Test) की विशेषताओं से भिन्न है?
(1) वस्तुनिष्ठता
(2) वैधता
(3) अभिक्षमता
(4) विश्वसनीयता

सही उत्तर: (3) अभिक्षमता

व्याख्या: एक उत्तम परीक्षण के तीन मुख्य गुण होते हैं: विश्वसनीयता (Reliability), वैधता (Validity) और वस्तुनिष्ठता (Objectivity)। अभिक्षमता (Aptitude) एक मानवीय गुण है, परीक्षण की विशेषता नहीं।

78. निम्न में से कौन-सा बुद्धि का सिद्धान्त (Theory of Intelligence) नहीं है?
(1) प्रत्यागमन का सिद्धान्त
(2) द्वितत्व का सिद्धान्त
(3) बहुतत्व का सिद्धान्त
(4) एकतत्व का सिद्धान्त

सही उत्तर: (1) प्रत्यागमन का सिद्धान्त

व्याख्या: प्रत्यागमन का सिद्धान्त (Theory of Regression) आनुवंशिकता (Heredity) से संबंधित है, बुद्धि से नहीं। बुद्धि के एकतत्व सिद्धान्त (बिने), द्वितत्व (स्पियरमैन) और बहुतत्व (थॉर्नडाइक) प्रसिद्ध हैं।

79. निम्नलिखित में से कौन अन्तःस्रावी ग्रन्थि (Endocrine Gland) नहीं है?
(1) लार ग्रन्थि
(2) पीयूष ग्रन्थि
(3) थॉयराइड ग्रन्थि
(4) एड्रिनल ग्रन्थि

सही उत्तर: (1) लार ग्रन्थि

व्याख्या: लार ग्रन्थि (Salivary Gland) एक बहिःस्रावी (Exocrine) ग्रन्थि है क्योंकि यह अपने स्राव (लार) को नलिकाओं के माध्यम से भेजती है। अन्य तीनों सीधे रक्त में हार्मोन छोड़ती हैं।

80. पियाजे के अनुसार संज्ञानात्मक विकास की द्वितीय अवस्था है:
(1) पूर्व-संक्रियात्मक अवस्था
(2) औपचारिक संक्रिया अवस्था
(3) मूर्त संक्रिया अवस्था
(4) संवेदनात्मक गामक अवस्था

सही उत्तर: (1) पूर्व-संक्रियात्मक अवस्था

व्याख्या: जीन पियाजे (Jean Piaget) ने चार अवस्थाएं बताई हैं:

(□) संवेदी पेशीय (0 – 2 वर्ष)
(□) पूर्व-संक्रियात्मक (2 – 7 वर्ष) - **द्वितीय अवस्था**
(□) मूर्त संक्रियात्मक (7 – 11 वर्ष)
(□) औपचारिक संक्रियात्मक (11 वर्ष से ऊपर)

81. मूल प्रवृत्ति की एक प्रमुख विशेषता है, जो पायी जाती है:
(1) सभी प्राणियों में तथा जन्मजात व प्राकृतिक होती है
(2) केवल चूहे तथा बिल्लियों में
(3) केवल कलाकारों में
(4) केवल मनुष्यों में

सही उत्तर: (1) सभी प्राणियों में तथा जन्मजात व प्राकृतिक होती है

व्याख्या: मूल प्रवृत्तियाँ (Instincts) सार्वभौमिक होती हैं। ये मनुष्यों और पशुओं दोनों में पायी जाती हैं और जन्म से ही व्यक्ति के व्यवहार का हिस्सा होती हैं।

82. भारतीय संविधान में 6 – 14 वर्ष के बच्चों के लिए निःशुल्क व अनिवार्य शिक्षा का अधिकार निम्न में शामिल है:
(1) अनुच्छेद 45 में
(2) अनुच्छेद 15 में
(3) अनुच्छेद 21 □ में
(4) अनुच्छेद 26 में

सही उत्तर: (3) अनुच्छेद 21 □ में

व्याख्या: 86वें संविधान संशोधन अधिनियम, 2002 के माध्यम से अनुच्छेद 21□ को मौलिक अधिकार के रूप में जोड़ा गया, जो 6 से 14 वर्ष के बच्चों के लिए शिक्षा को अनिवार्य बनाता है।

83. क्रेशमर (Kretschmer) ने व्यक्तित्व को निम्न में से किन प्रमुख प्रकारों में वर्गीकृत किया है?
(1) गोलकाय (Pyknic)
(2) सुडौलकाय (Athletic)
(3) इनमें से सभी
(4) लम्बकाय (Asthenic)

सही उत्तर: (3) इनमें से सभी

व्याख्या: जर्मन मनोवैज्ञानिक अर्न्स्ट क्रेशमर ने शरीर की बनावट के आधार पर व्यक्तित्व के चार प्रकार बताए थे: लम्बकाय (दुबले-पतले), गोलकाय (नाटे और मोटे), सुडौलकाय (हृष्ट-पुष्ट) और मिश्रितकाय (Dysplastic)।

84. टी.ए.टी. (T.A.T.) का उद्देश्य निम्न में से किसका मापन है?
(1) अभिवृत्ति
(2) अभिक्षमता
(3) मूल्य
(4) बौद्धिक क्षमता
सही उत्तर: (2) अभिक्षमता
व्याख्या: प्रासंगिक अन्तर्बोध परीक्षण (Thematic Apperception Test) मुख्य रूप से व्यक्तित्व और उसकी अंतर्निहित अभिक्षमताओं (Aptitudes) व प्रेरणाओं को मापने के लिए प्रयोग किया जाता है।

85. संघनन का सिद्धान्त (Consolidation Theory) निम्न में से किसकी व्याख्या करता है?
(1) अभिप्रेरणा
(2) स्मृति
(3) सृजनात्मकता
(4) अधिगम
सही उत्तर: (2) स्मृति
व्याख्या: संघनन का सिद्धान्त स्मृति (Memory) से संबंधित है। यह बताता है कि कैसे नई प्राप्त सूचनाएँ मस्तिष्क में स्थिर होकर दीर्घकालिक स्मृति का हिस्सा बनती हैं।

86. निम्न में से शारीरिक विकास को प्रभावित करने वाला कारक क्या है?
(1) खेल तथा व्यायाम
(2) वातावरण
(3) इनमें से सभी
(4) वंशानुक्रम
सही उत्तर: (3) इनमें से सभी
व्याख्या: शारीरिक विकास एक बहुआयामी प्रक्रिया है जो आनुवंशिकता (जीन्स), पोषक वातावरण और नियमित शारीरिक गतिविधियों (व्यायाम) तीनों से प्रभावित होती है।

87. बुद्धि लब्धि (I.Q.) की गणना का सही सूत्र निम्नलिखित में से कौन-सा है?
(1) $\frac{\text{वास्तविक आयु}}{\text{मानसिक आयु}} \times 100$
(2) $\frac{\text{वास्तविक आयु}}{\text{मानसिक आयु}}$
(3) $\frac{\text{मानसिक आयु}}{\text{वास्तविक आयु} \times 100}$
(4) $\frac{\text{मानसिक आयु}}{\text{वास्तविक आयु}} \times 100$
सही उत्तर: (4) $\frac{\text{मानसिक आयु}}{\text{वास्तविक आयु}} \times 100$
व्याख्या: विलियम स्टर्न ने मूल सूत्र दिया था, जिसे बाद में टर्मन ने 100 से गुणा करके संशोधित किया। यहाँ MA मानसिक आयु और CA वास्तविक आयु है।

88. विचारात्मक चिन्तन (Reflective Thinking) की चर्चा निम्न में से किसने की है?
(1) वुडवर्थ
(2) रॉस
(3) ड्रेवर
(4) डीवी
सही उत्तर: (4) डीवी
व्याख्या: जॉन डीवी (John Dewey) ने विचारात्मक या परावर्तक चिन्तन की अवधारणा दी थी। उनके अनुसार यह समस्याओं के समाधान के लिए एक सक्रिय और सावधानीपूर्वक किया जाने वाला चिन्तन है।

89. आगमनात्मक तर्क (Inductive Reasoning) के स्तरों में कौन शामिल नहीं है?
(1) सामान्यीकरण
(2) प्रयोग
(3) कल्पना
(4) अवलोकन
सही उत्तर: (3) कल्पना
व्याख्या: आगमनात्मक तर्क विशिष्ट से सामान्य की ओर जाता है। इसके मुख्य सोपान अवलोकन, प्रयोग और सामान्यीकरण (Generalization) हैं। कल्पना इसका औपचारिक स्तर नहीं माना जाता।

90. सीखी गई बात को धारण करने और पुनः स्मरण करने में असफल होना:
(1) धारणा है
(2) स्मरण है
(3) चिन्तन है
(4) विस्मरण है
सही उत्तर: (4) विस्मरण है
व्याख्या: विस्मरण (Forgetting) वह मानसिक प्रक्रिया है जिसमें व्यक्ति पूर्व में सीखे गए अनुभवों या सूचनाओं को सचेतन मस्तिष्क में लाने में असमर्थ रहता है।

91. ब्लू प्रिंट निम्न में किसका महत्वपूर्ण घटक है?
(1) परीक्षण अंकन
(2) परीक्षण प्रशासन
(3) परीक्षण वैधता
(4) परीक्षण निर्माण
सही उत्तर: (4) परीक्षण निर्माण
व्याख्या: ब्लू प्रिंट (Blueprint) परीक्षण निर्माण (Test Construction) का आधार होता है। यह प्रश्न पत्र के निर्माण हेतु एक त्रिविमीय तालिका है जो उद्देश्यों, प्रश्नों के प्रकार और विषय-वस्तु के अंक भार को दर्शाती है।

92. विकास की पूर्व-संक्रियात्मक अवस्था (Pre-operational Stage) निम्न में किसने दिया था?
(1) स्किनर
(2) कोहलर
(3) पियाजे
(4) ब्रुनर
सही उत्तर: (3) पियाजे
व्याख्या: जीन पियाजे (Jean Piaget) ने संज्ञानात्मक विकास की चार अवस्थाएं बताई हैं, जिनमें 'पूर्व-संक्रियात्मक अवस्था' दूसरी अवस्था (2 से 7 वर्ष) है।

93. एम. पी. पी. आई. (MMPI) परीक्षण का उपयोग निम्न में किसके मापन में किया जाता है?
(1) सृजनात्मकता
(2) सम्प्राप्ति
(3) बुद्धि
(4) व्यक्तित्व
सही उत्तर: (4) व्यक्तित्व
व्याख्या: Minnesota Multiphasic Personality

Inventory (MMPI) एक मनोवैज्ञानिक परीक्षण है जिसका उपयोग व्यक्तित्व (Personality) के आकलन और मानसिक स्वास्थ्य के निदान के लिए किया जाता है।

94. अधिगम हेतु निम्न में क्या सर्वाधिक आवश्यक है?
(1) निर्देशन
(2) परिपक्वता
(3) रुचि
(4) अभिप्रेरणा
सही उत्तर: (4) अभिप्रेरणा
व्याख्या: अभिप्रेरणा (Motivation) सीखने का मुख्य आधार है। स्किनर के अनुसार, "अभिप्रेरणा सीखने का सर्वोत्तम राजमार्ग है।" यद्यपि रुचि भी महत्वपूर्ण है, पर बिना अभिप्रेरणा के प्रभावी अधिगम संभव नहीं है।

95. शैशवकाल का समय है:
(1) 15 वर्ष तक
(2) जन्म से 6 वर्ष तक
(3) जन्म से 2 वर्ष तक
(4) 12 वर्ष से 18 वर्ष तक
सही उत्तर: (3) जन्म से 2 वर्ष तक
व्याख्या: विकासात्मक मनोविज्ञान के अधिकांश आधुनिक वर्गीकरणों के अनुसार, शैशवावस्था (Infancy) जन्म से 2 वर्ष तक मानी जाती है। (नोट: कुछ भारतीय मनोवैज्ञानिकों के अनुसार इसे जन्म से 5-6 वर्ष भी माना जाता है, पर मानक उत्तर 2 वर्ष है)।

96. पूर्व अनुभव के आधार पर संवेदना को अर्थ प्रदान करना कहलाता है:
(1) चिन्तन
(2) स्मृति
(3) प्रत्यक्षीकरण
(4) कल्पना
सही उत्तर: (3) प्रत्यक्षीकरण
व्याख्या: जब हम अपनी ज्ञानेन्द्रियों द्वारा प्राप्त संवेदना (Sensation) को पूर्व ज्ञान या अनुभव के आधार पर कोई नाम या अर्थ देते हैं, तो उसे प्रत्यक्षीकरण (Perception) कहते हैं।

97. सीखने में प्रयास व भूल के सिद्धान्त (Trial and Error Theory) का प्रतिपादन किसने किया?
(1) गेस्टाल्ट
(2) थॉर्नडाइक
(3) पावलाव
(4) कोहलर
सही उत्तर: (2) थॉर्नडाइक
व्याख्या: ई. एल. थॉर्नडाइक (E.L. Thorndike) ने बिल्ली पर प्रयोग करके इस सिद्धान्त का प्रतिपादन किया। उनके अनुसार सीखने के लिए उद्दीपक (Stimulus) और अनुक्रिया (Response) के बीच सम्बन्ध होना आवश्यक है।

98. औसत बुद्धि वाले बालकों का बुद्धि लब्धि (IQ) स्तर होगा:
(1) 110 – 114
(2) 90 – 109
(3) 80 – 89
(4) 70 – 79
सही उत्तर: (2) 90 – 109
व्याख्या: टर्मन (Terman) द्वारा दिए गए वर्गीकरण के अनुसार 90 से 109 के बीच की बुद्धि लब्धि वाले बालक 'सामान्य' या 'औसत' बुद्धि श्रेणी में आते हैं।

99. निम्न में से कौन तरल क्रिस्टलीय बुद्धि (Fluid and Crystallized Intelligence) के प्रतिमान के प्रतिपादक थे?
(1) स्किनर
(2) वर्नन
(3) थॉर्नडाइक
(4) कैटेल
सही उत्तर: (4) कैटेल
व्याख्या: आर. बी. कैटेल (R.B. Cattell) ने बुद्धि के दो आयाम बताए: तरल बुद्धि (वंशानुगत और तर्क पर आधारित) तथा ठोस/क्रिस्टलीय बुद्धि (अनुभव और शिक्षा पर आधारित)।

100. क्रिया-प्रसूत अधिगम सिद्धान्त (Operant Conditioning Theory) का प्रतिपादन किया:
(1) स्किनर
(2) हेगार्टी
(3) थॉर्नडाइक
(4) हल
सही उत्तर: (1) स्किनर
व्याख्या: बी. एफ. स्किनर (B.F. Skinner) ने सीखने में पुनर्बलन (Reinforcement) के महत्व पर बल दिया और चूहे पर प्रयोग कर इस सिद्धान्त को सिद्ध किया।

101. कोहलर अपने प्रयोग से यह सिद्ध करना चाहते थे कि अधिगम:
(1) मानव का अधिगम प्रयोजनपूर्ण है
(2) जानवरों में मनुष्यों से श्रेष्ठ है
(3) एक स्वतन्त्र क्रिया है
(4) समग्र परिस्थिति का प्रत्यक्षीकरण है
सही उत्तर: (4) समग्र परिस्थिति का प्रत्यक्षीकरण है
व्याख्या: गेस्टाल्टवादी मनोवैज्ञानिक कोहलर के अनुसार अधिगम 'सूझ' (Insight) के माध्यम से होता है, जिसमें व्यक्ति पूरी परिस्थिति का एक समग्र रूप (Whole Perception) में अवलोकन करता है।

102. किसने पाठ योजना की 'पंचपद प्रणाली' (Five-Step System) प्रतिपादित किया?
(1) ब्लूम
(2) किलपैट्रिक
(3) हरबर्ट
(4) जॉन डीवी
सही उत्तर: (3) हरबर्ट
व्याख्या: जे. एफ. हरबर्ट (J.F. Herbart) ने शिक्षण की प्रभावशीलता के लिए पाँच पदों का सुझाव दिया: प्रस्तावना, प्रस्तुतीकरण, तुलना/सम्बन्ध, सामान्यीकरण और अनुप्रयोग।

103. निम्नलिखित में प्रवृत्तियों के आधार पर व्यक्तित्व के विभिन्न प्रकारों की चर्चा किसने की है?
(1) स्प्रैंगर
(2) कैनन
(3) युंग
(4) क्रेश्मेर
सही उत्तर: (1) स्प्रैंगर
व्याख्या: एडवर्ड स्प्रैंगर (Eduard Spranger) ने अपनी पुस्तक

'Types of Men' में समाजशास्त्रीय आधार पर व्यक्तित्व के छह प्रकार बताए हैं: सैद्धान्तिक, आर्थिक, सौन्दर्यात्मक, सामाजिक, राजनीतिक और धार्मिक।

104. "सृजनात्मकता मौलिक परिणामों को अभिव्यक्त करने की मानसिक प्रक्रिया है।" यह कथन है:
(1) क्रो एवं क्रो का
(2) डीहान का
(3) ड्रेवल का
(4) कोल एवं ब्रूस का
सही उत्तर: (1) क्रो एवं क्रो का
व्याख्या: क्रो एवं क्रो (Crow and Crow) के अनुसार सृजनात्मकता (Creativity) नवीन और मौलिक विचारों या परिणामों को प्रकट करने की एक मानसिक क्षमता है।

105. बी. एफ. स्किनर के अनुसार बच्चों में भाषा का विकास होता है:
(1) व्याकरण में प्रशिक्षण के फलस्वरूप
(2) अनुकरण एवं प्रबलन के फलस्वरूप
(3) परिपक्वता के फलस्वरूप
(4) जन्मजात क्षमताओं के फलस्वरूप
सही उत्तर: (2) अनुकरण एवं प्रबलन के फलस्वरूप
व्याख्या: स्किनर (B.F. Skinner) के अनुसार बालक भाषा का विकास अपने बड़ों के अनुकरण (Imitation) और उनके द्वारा दिए गए पुनर्बलन/प्रबलन (Reinforcement) के माध्यम से करते हैं।

106. मूल प्रवृत्तियों को चौदह प्रकार से ____ ने वर्गीकृत किया है।
(1) वुडवर्थ
(2) थॉर्नडाइक
(3) मैकडूगल
(4) ड्रेवर
सही उत्तर: (3) मैकडूगल
व्याख्या: विलियम मैकडूगल (William McDougall) ने 14 मूल प्रवृत्तियाँ (Instincts) बताई हैं और प्रत्येक मूल प्रवृत्ति से जुड़ा एक संवेग (Emotion) भी बताया है।

107. "किसी दूसरी वस्तु की अपेक्षा एक वस्तु पर चेतना का केन्द्रीकरण अवधान है।" यह कथन है:
(1) मैकडूगल का
(2) मन का
(3) रॉस का
(4) डम्बिल का
सही उत्तर: (4) डम्बिल का
व्याख्या: प्रसिद्ध मनोवैज्ञानिक डम्बिल (Dumville) के अनुसार, अवधान (Attention) वह प्रक्रिया है जिसमें व्यक्ति अन्य वस्तुओं को हटाकर किसी एक विशिष्ट वस्तु पर अपना ध्यान केन्द्रित करता है।

108. निम्नलिखित में किसका नाम 'सुजननशास्त्र के पिता' (Father of Eugenics) से जुड़ा हुआ है?
(1) वुडवर्थ
(2) रॉस
(3) गाल्टन
(4) क्रो एवं क्रो
सही उत्तर: (3) गाल्टन
व्याख्या: फ्रांसिस गाल्टन (Francis Galton) को सुजननशास्त्र का जनक माना जाता है। उन्होंने आनुवंशिकी के माध्यम से मानव प्रजाति के सुधार का अध्ययन किया था।

109. 12 वर्ष से 16 वर्ष के बालकों हेतु हिन्दी में डॉ. एस. जलौटा ने कौन-सा परीक्षण प्रतिपादित किया है?
(1) चित्रांकन परीक्षण
(2) आर्मी अल्फा टेस्ट
(3) साधारण मानसिक योग्यता परीक्षण
(4) अशाब्दिक बुद्धि परीक्षण
सही उत्तर: (3) साधारण मानसिक योग्यता परीक्षण
व्याख्या: डॉ. एस. जलौटा (Dr. S. Jalota) ने 12 से 16 वर्ष के किशोरों के लिए 'साधारण मानसिक योग्यता परीक्षण' (Group General Mental Ability Test) का निर्माण किया, जो एक सामूहिक शाब्दिक बुद्धि परीक्षण है।

110. बुद्धि के 'द्विकारक सिद्धान्त' (Two-Factor Theory) का प्रतिपादन किसने किया?
(1) स्टर्न
(2) बर्नन
(3) स्पीयरमैन
(4) थॉर्नडाइक
सही उत्तर: (3) स्पीयरमैन
व्याख्या: चार्ल्स स्पीयरमैन (Charles Spearman) ने बुद्धि के दो कारक बताए हैं: सामान्य कारक (g-factor) और विशिष्ट कारक (s-factor)।

111. कोहलर (Kohler) निम्न में किससे सम्बन्धित हैं?
(1) अधिगम के सिद्धान्त
(2) व्यक्तित्व के सिद्धान्त
(3) विकास के सिद्धान्त
(4) अभिप्रेरणा के सिद्धान्त
सही उत्तर: (1) अधिगम के सिद्धान्त
व्याख्या: कोहलर एक गेस्टाल्टवादी मनोवैज्ञानिक थे, जिन्होंने अधिगम (Learning) का 'अन्तर्दृष्टि या सूझ का सिद्धान्त' प्रतिपादित किया था।

112. मैकडूगल के अनुसार मूल प्रवृत्तियों (Instincts) की संख्या होती है:
(1) 10
(2) 12
(3) 14
(4) 15
सही उत्तर: (3) 14
व्याख्या: विलियम मैकडूगल के अनुसार मानव व्यवहार के पीछे 14 मूल प्रवृत्तियाँ कार्य करती हैं और प्रत्येक प्रवृत्ति से एक विशिष्ट संवेग (Emotion) जुड़ा होता है।

113. मानसिक उद्वेलन प्रतिमान (Brainstorming Model) का प्रयोग निम्न में से किसके शिक्षण हेतु किया जाता है?
(1) समस्या समाधान
(2) सृजनात्मकता
(3) अनुप्रयोग
(4) समझ
सही उत्तर: (2) सृजनात्मकता
व्याख्या: एलेक्स ऑसबर्न (Alex Osborn) द्वारा विकसित 'मानसिक उद्वेलन' (Brainstorming) तकनीक का मुख्य

उद्देश्य बालकों में सृजनात्मकता (Creativity) और नवीन विचारों के उत्पादन को बढ़ावा देना है।

114. निम्न में किसके प्रयोग में 'कुत्ता' एक विषयी (Subject) था?
(1) कोहलर
(2) थॉर्नडाइक
(3) पावलाव
(4) स्किनर
सही उत्तर: (3) पावलाव
व्याख्या: इवान पावलाव (Ivan Pavlov) ने अपने 'शास्त्रीय अनुबन्धन सिद्धान्त' (Classical Conditioning) के प्रयोग में कुत्ते की लार ग्रन्थि पर शोध किया था।

115. मौलिकता, नमनीयता (Flexibility) तथा प्रवाह निम्न में किसके घटक हैं?
(1) अभिप्रेरणा
(2) व्यक्तित्व
(3) सृजनात्मकता
(4) बुद्धि
सही उत्तर: (3) सृजनात्मकता
व्याख्या: टोरेंस (Torrance) के अनुसार सृजनात्मकता के मुख्य घटक प्रवाह (Fluency), विविधता/नमनीयता (Flexibility), मौलिकता (Originality) और विस्तारण (Elaboration) हैं।

116. युयुत्सा (Combat) है:
(1) चिन्तन
(2) कल्पना
(3) संवेग
(4) मूल प्रवृत्ति
सही उत्तर: (4) मूल प्रवृत्ति
व्याख्या: मैकडूगल द्वारा प्रतिपादित 14 मूल प्रवृत्तियों में 'युयुत्सा' (युद्ध करने की इच्छा) एक प्रमुख मूल प्रवृत्ति है, जिससे 'क्रोध' का संवेग उत्पन्न होता है।

117. बालकों के सामाजिक विकास को प्रभावित करने वाले तत्व हैं:
(1) वंशानुगत तत्व
(2) शारीरिक तत्व
(3) सामाजिक परिवेशजन्य तत्व
(4) आर्थिक तत्व
सही उत्तर: (3) सामाजिक परिवेशजन्य तत्व
व्याख्या: बालक का सामाजिक विकास उसके आसपास के वातावरण, परिवार, विद्यालय और समाज (Social-environmental factors) से सर्वाधिक प्रभावित होता है।

118. शारीरिक विकास का एक प्रमुख नियम निम्न में से कौन-सा है?
(1) कल्पना और संवेगात्मक विकास से सम्बन्ध का नियम
(2) द्रुतगामी विकास का नियम
(3) अनियमित विकास का नियम
(4) मानसिक विकास से भिन्नता का नियम
सही उत्तर: (2) द्रुतगामी विकास का नियम
व्याख्या: 'द्रुतगामी विकास का नियम' (Law of Rapid Growth) शारीरिक विकास से संबंधित है, क्योंकि शैशवावस्था और किशोरावस्था में शारीरिक वृद्धि अत्यंत तीव्र गति से होती है।

119. निम्नलिखित में से कौन-सा विकास का सिद्धान्त नहीं है?
(1) समान प्रतिमान का सिद्धान्त
(2) परस्पर सम्बन्ध का सिद्धान्त
(3) निरन्तर विकास का सिद्धान्त
(4) अनुकूलित प्रत्यावर्तन सिद्धान्त
सही उत्तर: (4) अनुकूलित प्रत्यावर्तन सिद्धान्त
व्याख्या: अनुकूलित प्रत्यावर्तन (Conditioned Reflex) पावलाव का 'अधिगम' का सिद्धान्त है, न कि 'विकास' का। अन्य तीनों विकास के सर्वमान्य सिद्धान्त हैं।

120. "विकास के परिणाम स्वरूप नवीन विशेषताएँ और नवीन योग्यताएँ प्रकट होती हैं" यह कथन किसका है?
(1) डगलस और हॉलैण्ड
(2) मेरडिथ
(3) हरलॉक
(4) गेसेल
सही उत्तर: (3) हरलॉक
व्याख्या: एलिजाबेथ हरलॉक (E.B. Hurlock) के अनुसार विकास केवल अभिवृद्धि तक सीमित नहीं है, बल्कि यह व्यवस्थित और प्रगतिशील परिवर्तनों की वह श्रृंखला है जिससे बालक में नई विशेषताएँ स्पष्ट होती हैं।

121. नहांकित में से कौन-सा problem solving (समस्या समाधान) में वाधक नहीं है ?
(1) सूझ (2) भग्नाशा (3) चिन्ता (4) नकारात्मक मानसिक वृत्ति
सही उत्तर: (1) सूझ (Insight)
व्याख्या: Insight (सूझ) समस्या समाधान में एक सहायक कारक (facilitating factor) है। कोहलर (Kohler) के अनुसार, सूझ का अर्थ है समस्या के विभिन्न अंगों के बीच संबंधों को अचानक समझना, जिससे समाधान प्राप्त होता है। इसके विपरीत, Frustration (भग्नाशा), Anxiety (चिन्ता) और Negative Mental Set (नकारात्मक मानसिक वृत्ति) विचार प्रक्रिया को अवरुद्ध कर बाधा उत्पन्न करते हैं।

122. निम्न में से कौन-सा एक emotion (संवेग) है ?
(1) उद्दीपक (2) स्मृति (3) आमोद (4) ध्यान
सही उत्तर: (3) आमोद (Amusement)
व्याख्या: Amusement (आमोद) एक संवेग है। Stimulus (उद्दीपक) एक बाहरी कारक है, जबकि Memory (स्मृति) और Attention (ध्यान) संज्ञानात्मक प्रक्रियाएँ हैं।

123. 'FIACS' के साथ मूल रूप से कौन सम्बन्धित है ?
(1) हरवर्ट (2) लिपिट (3) फ्लैण्डर (4) मॉरिसन
सही उत्तर: (3) फ्लैण्डर (Ned A. Flanders)
व्याख्या: Flanders Interaction Analysis Category System (FIACS) कक्षा में शिक्षक और छात्रों के बीच होने वाली शाब्दिक अंत:क्रिया के विश्लेषण से संबंधित है।

124. निम्न कथनों में से कौन-सा 'Questioning Skill' (प्रश्न कौशल) के लिए सही नहीं है ?
(1) प्रश्न पूछने में उत्साहवर्धक तरीकों का प्रयोग करना (2) प्रश्नों को प्रोत्साहन देना (3) हाँ अथवा न उत्तर वाले प्रश्नों की संख्या बढ़ाना (4) सुनने में संवेदनशीलता विकसित करना
सही उत्तर: (3) हाँ अथवा न उत्तर वाले प्रश्नों की संख्या बढ़ाना
व्याख्या: प्रभावी शिक्षण में 'हाँ/ना' वाले प्रश्न closed-ended होते हैं जो चिंतन को सीमित करते हैं। बेहतर प्रश्न कौशल में divergent (अपसारी) प्रश्नों पर बल दिया जाता है।

125. निम्न में से कौन-सा personality measurement (व्यक्तित्व मापन) की projective technique (प्रक्षेपी तकनीकी) है ?
(1) साक्षात्कार (2) प्रासंगिक अन्तर्बोध परीक्षण (3) निर्धारण मापनी (4) अवलोकन
सही उत्तर: (2) प्रासंगिक अन्तर्बोध परीक्षण (TAT)
व्याख्या: Thematic Apperception Test (TAT) एक प्रक्षेपी तकनीक है। साक्षात्कार और अवलोकन वस्तुनिष्ठ विधियाँ हैं।

126. सृजनात्मक समस्या समाधान की वह अवस्था जिसमें व्यक्ति असंगत सूचनाओं पर ध्यान नहीं देता, उसे कहते हैं
(1) आयोजन (2) अनुवादन (3) प्रबोधन (4) उद्भवन
सही उत्तर: (4) उद्भवन (Incubation)
व्याख्या: Incubation (उद्भवन) की अवस्था में व्यक्ति चेतन रूप से समस्या पर ध्यान देना बंद कर देता है, जिससे अवचेतन रूप से नए विचारों का जन्म होता है।

127. 'Spoken language' (बोली जाने वाली भाषा) की सबसे छोटी इकाई है
(1) अर्थ विज्ञान (2) रुपग्राम (3) ध्वनिग्राम (4) वाक्य विन्यास
सही उत्तर: (3) ध्वनिग्राम (Phoneme)
व्याख्या: Phoneme भाषा की सबसे छोटी ध्वनि इकाई है। Morpheme (रुपग्राम) अर्थ की सबसे छोटी इकाई होती है।

128. 'निम्न में से किस प्रश्न' द्वारा creative thinking (सृजनात्मक चिन्तन) को सर्वाधिक अच्छे ढंग से अनुमानित किया जा सकता है ?
(1) इसे कौन बता सकता है ? (2) सही उत्तर बताएँ (3) क्या आप इसका उत्तर बता सकते हैं ? (4) इसे कितने भिन्न तरीकों से हल किया जा सकता है ?
सही उत्तर: (4) इसे कितने भिन्न तरीकों से हल किया जा सकता है ?
व्याख्या: यह प्रश्न Divergent Thinking (अपसारी चिंतन) को प्रेरित करता है, जो कि सृजनात्मकता का मूल आधार है।

129. सूक्ष्म-शिक्षण (Micro-teaching) है:
(1) मूल्यांकन शिक्षण
(2) वास्तविक शिक्षण
(3) अवश्रेणीयन (Scaled down) शिक्षण
(4) प्रभावशाली शिक्षण
सही उत्तर: (3) अवश्रेणीयन (Scaled down) शिक्षण
व्याख्या: सूक्ष्म-शिक्षण एक 'अवश्रेणीयन' शिक्षण तकनीक है जहाँ कक्षा के आकार, समय और विषयवस्तु को छोटा कर दिया जाता है ताकि विशिष्ट शिक्षण कौशलों का अभ्यास किया जा सके।

130. सूची *A* तथा सूची *B* को सुमेलित कीजिए:

सूची - □	**सूची - □**
□. हल (Hull)	□. आवश्यकता सिद्धान्त
□. मैक्डूगल (McDougall)	□□. मूल प्रवृत्ति सिद्धान्त
□. फ्रॉयड (Freud)	□□□. मनो-विश्लेषण सिद्धान्त
□. मैस्लो (Maslow)	□□. प्रणोद-अवकलन (Drive Reduction) सिद्धान्त

	□	□	□	□
(1)	□	□□	□□□	□□
(2)	□□	□□	□□□	□
(3)	□□	□□	□	□□□
(4)	□□	□	□□	□□□

सही उत्तर: (2) □-□□, □-□□, □-□□□, □-□
व्याख्या: सी.एल. हल ने प्रणोद-अवकलन, मैक्डूगल ने 14 मूल प्रवृत्तियों का सिद्धांत, सिगमंड फ्रॉयड ने मनो-विश्लेषण और अब्राहम मैस्लो ने आवश्यकताओं के पदानुक्रम का सिद्धांत दिया था।

131. निम्नलिखित में से कौन-सा अभिक्रमित अनुदेशन (Programmed Instruction) का सिद्धान्त नहीं है?
(1) अभ्यास का सिद्धान्त
(2) छोटे-छोटे पदों का सिद्धान्त
(3) सक्रिय अनुक्रिया का सिद्धान्त
(4) पुनर्बलन का सिद्धान्त
सही उत्तर: (1) अभ्यास का सिद्धान्त
व्याख्या: बी.एफ. स्किनर के अभिक्रमित अनुदेशन के मुख्य सिद्धांतों में लघु पद, सक्रिय अनुक्रिया, तत्काल प्रतिपुष्टि/पुनर्बलन और स्व-गति शामिल हैं। 'अभ्यास का सिद्धान्त' थॉर्नडाइक के मुख्य नियमों में से एक है।

132. थॉर्नडाइक के उद्दीपक-अनुक्रिया सिद्धान्त (S-R Theory) में सीखने की प्रक्रिया में क्या महत्त्वपूर्ण नहीं है?
(1) क्रिया प्रसूत व्यवहार
(2) अन्तर्नोद (Drive)
(3) अभिप्रेरक (Motive)
(4) उद्दीपक (Stimulus)
सही उत्तर: (1) क्रिया प्रसूत व्यवहार
व्याख्या: 'क्रिया प्रसूत व्यवहार' (Operant Behavior) बी.एफ. स्किनर के सिद्धांत से संबंधित है। थॉर्नडाइक के S-R सिद्धांत में बिल्ली को लक्ष्य तक पहुँचने के लिए भूख (अन्तर्नोद), मछली (उद्दीपक) और तत्परता की आवश्यकता होती है।

133. निम्नलिखित में से किस प्रकार के अधिगम को गेने ने अपनी अधिगम सोपानिकी में सर्वाधिक निम्न स्थान पर रखा है?
(1) प्रत्यय अधिगम
(2) शाब्दिक अधिगम
(3) संकेत अधिगम (Signal Learning)
(4) श्रृंखला अधिगम
सही उत्तर: (3) संकेत अधिगम (Signal Learning)
व्याख्या: रॉबर्ट गेने की 'अधिगम सोपानिकी' (Hierarchy of Learning) में 8 स्तर हैं। इसमें 'संकेत अधिगम' सबसे निम्न स्तर (प्रथम) पर है और 'समस्या समाधान अधिगम' सर्वोच्च स्तर पर है।

134. शिक्षण के दौरान आवाज में उतार-चढ़ाव उदाहरण है:
(1) उद्दीपन-परिवर्तन कौशल (Stimulus Variation Skill)
(2) प्रस्तावना कौशल
(3) पुनर्बलन कौशल
(4) समापन कौशल
सही उत्तर: (1) उद्दीपन-परिवर्तन कौशल (Stimulus Variation Skill)

व्याख्या: छात्रों का ध्यान आकर्षित करने और ऊब को कम करने के लिए शिक्षक द्वारा आवाज में बदलाव, शरीर संचालन और भाव-भंगिमाओं का प्रयोग 'उद्दीपन-परिवर्तन कौशल' कहलाता है।

135. निम्न में से कौन-सा सम्प्रेषण प्रक्रिया (Communication Process) का तत्व नहीं है?
(1) माध्यम (Medium)
(2) अन्त:क्रिया (Interaction)
(3) प्रतिपुष्टि (Feedback)
(4) पुनर्बलन (Reinforcement)
सही उत्तर: (4) पुनर्बलन (Reinforcement)
व्याख्या: सम्प्रेषण प्रक्रिया के मुख्य तत्व संदेश प्रेषक, माध्यम, कूटवाचन, प्राप्तकर्ता और प्रतिपुष्टि हैं। 'पुनर्बलन' अधिगम (सीखने) की प्रक्रिया का तत्व है, सम्प्रेषण का नहीं।

136. 'मन्दितमना' (Mentally Retarded) बालकों की शिक्षा हेतु कौन-सा उपागम उपयुक्त कहा जा सकता है?
(1) वैयक्तिक अनुदेशन (Individualized Instruction)
(2) त्वरण उपागम (Acceleration Approach)
(3) संवर्धन उपागम (Enrichment Approach)
(4) उच्चस्तरीय पाठ्यचर्या
सही उत्तर: (1) वैयक्तिक अनुदेशन (Individualized Instruction)
व्याख्या: मंदबुद्धि बालकों की सीखने की गति धीमी होती है, इसलिए उन्हें 'वैयक्तिक अनुदेशन' की आवश्यकता होती है ताकि उनकी व्यक्तिगत क्षमताओं के अनुसार शिक्षा दी जा सके। 'त्वरण' और 'सवर्धन' प्रतिभाशाली बालकों के लिए उपयोगी होते हैं।

137. निम्न में से कौन-सा कथन सत्य नहीं है?
(1) सीखना व्यवहार परिवर्तन की एक प्रक्रिया है।
(2) वृद्धि एक जैविक प्रक्रिया है।
(3) विकास एक मात्रात्मक प्रक्रिया है।
(4) शिक्षा एक लक्ष्य उन्मुख प्रक्रिया है।
सही उत्तर: (3) विकास एक मात्रात्मक प्रक्रिया है।
व्याख्या: विकास (Development) एक गुणात्मक (Qualitative) प्रक्रिया है, जबकि वृद्धि (Growth) एक मात्रात्मक (Quantitative) प्रक्रिया होती है।

138. क्षेत्र विशेष में बालक की विशिष्ट योग्यता तथा विशिष्ट क्षमता को कहते हैं:
(1) मूल्य
(2) अभिप्रेरणा
(3) अभिक्षमता (Aptitude)
(4) रुचि
सही उत्तर: (3) अभिक्षमता (Aptitude)
व्याख्या: किसी विशिष्ट क्षेत्र (जैसे संगीत, गणित या कला) में कौशल सीखने की जन्मजात क्षमता या विशिष्ट योग्यता को 'अभिक्षमता' कहा जाता है।

139. ब्रूनर की प्रतिबिम्बात्मक (Iconic) अवस्था पियाजे के संज्ञानात्मक विकास की किस अवस्था से मिलती जुलती है?
(1) औपचारिक संक्रियात्मक अवस्था
(2) पूर्व संक्रियात्मक अवस्था (Pre-operational Stage)
(3) मूर्त संक्रियात्मक अवस्था
(4) संवेगात्मक गामक अवस्था
सही उत्तर: (2) पूर्व संक्रियात्मक अवस्था (Pre-operational Stage)
व्याख्या: जेरोम ब्रूनर की प्रतिबिम्बात्मक अवस्था में बच्चा मानसिक छवियों (चित्रों) के माध्यम से सीखता है, जो पियाजे की 'पूर्व संक्रियात्मक अवस्था' (2-7 वर्ष) की विशेषताओं के समान है।

140. कौन व्यक्तित्व के गुण सिद्धांत (Trait Theory) से संबंधित नहीं है?
(1) फ्रॉयड (Freud)
(2) आलपोर्ट (Allport)
(3) कैटल (Cattell)
(4) आइसेंक (Eysenck)
सही उत्तर: (1) फ्रॉयड (Freud)
व्याख्या: सिगमंड फ्रॉयड ने व्यक्तित्व का 'मनोविश्लेषणात्मक सिद्धांत' दिया था। आलपोर्ट, कैटल और आइसेंक व्यक्तित्व के 'गुण सिद्धांत' (शील गुण) के प्रमुख प्रतिपादक हैं।

141. निम्नलिखित में से कौन-सा समूह सृजनात्मकता (Creativity) के तत्वों के सम्बन्ध में सही है?
(1) प्रवाह, विविधता, मौलिकता, सहकार्यता
(2) प्रवाह, विविधता, मौलिकता, विस्तारण
(3) बारम्बारता, विविधता, मौलिकता, विस्तारण
(4) प्रवाह, व्यवहार्यता, मौलिकता, विस्तारण
सही उत्तर: (2) प्रवाह (Fluency), विविधता (Flexibility), मौलिकता (Originality), विस्तारण (Elaboration)
व्याख्या: ई.पी. टोरेंस के अनुसार सृजनात्मकता के चार मुख्य तत्व हैं: विचारों का प्रवाह, लचीलापन (विविधता), मौलिकता और विचारों का विस्तार करना।

142. एक चार-पाँच वर्ष के बालक में अपने पिता की अपेक्षा माता के प्रति अत्यधिक प्रेम की भावना विकसित हो जाती है। इस परिवर्तन को फ्रॉयड ने क्या नाम दिया?
(1) पराहम्
(2) नार्सीसिज़्म
(3) ओडिपस कॉम्प्लेक्स (Oedipus Complex)
(4) इलेक्ट्रा कॉम्प्लेक्स
सही उत्तर: (3) ओडिपस कॉम्प्लेक्स (Oedipus Complex)
व्याख्या: फ्रॉयड के अनुसार, लड़कों में माता के प्रति प्रेम और पिता के प्रति प्रतिद्वंद्विता की भावना को 'ओडिपस कॉम्प्लेक्स' कहा जाता है। लड़कियों में पिता के प्रति प्रेम की भावना को 'इलेक्ट्रा कॉम्प्लेक्स' कहा जाता है।

143. निम्नलिखित में से कौन-सा नियम थॉर्नडाइक के सीखने के गौण (Secondary) नियमों में शामिल नहीं है?
(1) सादृश्यता का नियम
(2) बहु-प्रतिक्रिया का नियम
(3) आंशिक क्रिया का नियम
(4) क्रिया-प्रतिक्रिया का नियम
सही उत्तर: (4) क्रिया-प्रतिक्रिया का नियम
व्याख्या: थॉर्नडाइक ने सीखने के 5 गौण नियम दिए थे: बहु-प्रतिक्रिया, मानसिक स्थिति, आंशिक क्रिया, सादृश्यता और सहचर्यात्मक स्थानांतरण। 'क्रिया-प्रतिक्रिया का नियम' न्यूटन का भौतिकी का नियम है।

144. स्कूटर चलाने वाले व्यक्ति द्वारा कार चलाना सीखते समय उसके पूर्व-अनुभवों का सहायक होना, किस प्रकार के अधिगम अन्तरण (Transfer of Learning) का उदाहरण है?
(1) क्षैतिज अन्तरण
(2) धनात्मक अन्तरण
(3) ऊर्ध्व अन्तरण (Vertical Transfer)
(4) द्वि-पार्श्विक अन्तरण
सही उत्तर: (3) ऊर्ध्व अन्तरण (Vertical Transfer)
व्याख्या: जब पूर्व में सीखा गया ज्ञान (जैसे स्कूटर चलाना) उच्च स्तर के कौशल (जैसे कार चलाना) को सीखने में सहायक होता है, तो इसे 'ऊर्ध्व अन्तरण' कहा जाता है। इसे 'धनात्मक अन्तरण' की एक श्रेणी भी माना जाता है।

145. सम्प्रेषण सम्बन्धी अक्षमता (Communication Disability) है:
(1) डिस्फेशिया (Dysphasia)
(2) डिस्ग्राफिया (Dysgraphia)
(3) डिस्लेक्सिया
(4) डिस्कैल्क्युलिया
सही उत्तर: (1) डिस्फेशिया (Dysphasia)
व्याख्या: डिस्फेशिया भाषा और विचारों को व्यक्त करने या समझने (सम्प्रेषण) में कठिनाई पैदा करता है। डिस्ग्राफिया लेखन से, डिस्लेक्सिया पठन से और डिस्कैल्क्युलिया गणित से संबंधित है।

146. निम्न में से कौन-सी शिक्षण विधि प्रजातान्त्रिक (Democratic) नहीं है?
(1) प्रोजेक्ट विधि
(2) सहभागी विधि
(3) व्याख्यान विधि (Lecture Method)
(4) सामूहिक परिचर्चा
सही उत्तर: (3) व्याख्यान विधि (Lecture Method)
व्याख्या: व्याख्यान विधि 'शिक्षक-केन्द्रित' और प्रभुत्ववादी (Autocratic) होती है, जहाँ छात्र निष्क्रिय श्रोता होते हैं। अन्य तीनों विधियाँ छात्र-केन्द्रित और प्रजातान्त्रिक हैं।

147. शैक्षिक उद्देश्यों के ब्लूम के वर्गीकरण के भावात्मक पक्ष (Affective Domain) से निम्न में से कौन-सा स्तर सम्बन्धित नहीं है?
(1) व्यवस्थापन
(2) अनुक्रिया
(3) आग्रहण
(4) ज्ञान (Knowledge)
सही उत्तर: (4) ज्ञान (Knowledge)
व्याख्या: 'ज्ञान' ब्लूम के 'संज्ञानात्मक पक्ष' (Cognitive Domain) का पहला स्तर है। भावात्मक पक्ष में आग्रहण, अनुक्रिया, अनुमूल्यन, व्यवस्थापन और चरित्रीकरण शामिल हैं।

148. निम्न में से कौन-सा शिक्षण का स्तर (Level of Teaching) नहीं है?
(1) परावर्ती स्तर (Reflective Level)
(2) अभिप्रेरणा स्तर (Motivation Level)
(3) स्मृति स्तर (Memory Level)
(4) अवबोध स्तर (Understanding Level)
सही उत्तर: (2) अभिप्रेरणा स्तर (Motivation Level)
व्याख्या: शिक्षण के तीन मुख्य स्तर होते हैं: स्मृति स्तर (हर्बर्ट), अवबोध स्तर (मॉरिसन) और परावर्ती/चिन्तन स्तर (हंट)। अभिप्रेरणा शिक्षण की एक प्रक्रिया या कारक है, स्तर नहीं।

149. अधिगम प्रक्रिया उद्दीपन (Stimulus) एवं ____ के बीच की संगति है।
(1) पूर्व अनुभव
(2) व्यवहार
(3) अनुक्रिया (Response)
(4) पशु
सही उत्तर: (3) अनुक्रिया (Response)
व्याख्या: व्यवहारवादी मनोवैज्ञानिकों के अनुसार, अधिगम उद्दीपक (S) और अनुक्रिया (R) के बीच एक मजबूत सम्बन्ध या अनुबंधन स्थापित होने की प्रक्रिया है।

150. निम्न में से कौन-सी शिक्षण विधि प्रगतिवादी (Progressive) सिद्धान्तों पर आधारित है?
(1) आगमन
(2) समस्या समाधान (Problem Solving)
(3) प्रश्नोत्तर
(4) निगमन
सही उत्तर: (2) समस्या समाधान (Problem Solving)
व्याख्या: प्रगतिवादी शिक्षा (जॉन डीवी) 'करके सीखने' (Learning by doing) पर बल देती है। समस्या समाधान विधि छात्रों को सक्रिय रूप से सोचने और वास्तविक जीवन की समस्याओं को सुलझाने के लिए प्रेरित करती है।

151. यदि शिक्षक कक्षा में एक छात्र को समस्यात्मक बालक (Problematic Child) के रूप में पाता है, तो उसे:
(1) तत्काल घर वापस भेज देना चाहिए (2) बच्चे को नजरअन्दाज कर देना चाहिए
(3) बच्चे को दण्ड देना चाहिए (4) बच्चे को परामर्श देना चाहिए
सही उत्तर: (4) बच्चे को परामर्श (Counseling) देना चाहिए
व्याख्या: आधुनिक बाल-केन्द्रित शिक्षा में समस्यात्मक व्यवहार के मूल कारणों को समझना आवश्यक है। परामर्श के माध्यम से छात्र के व्यवहार में सकारात्मक सुधार लाया जा सकता है, जबकि दण्ड या उपेक्षा से स्थिति और बिगड़ सकती है।

152. पाठ्य-सहगामी क्रियाएँ (Co-curricular Activities) मुख्यत: सम्बन्धित हैं:
(1) छात्रों के मानसिक विकास से (2) छात्रों के सर्वांगीण विकास से
(3) शैक्षिक संस्थानों के विकास से (4) छात्रों के वृत्तिक विकास से
सही उत्तर: (2) छात्रों के सर्वांगीण विकास (Holistic Development) से
व्याख्या: पाठ्य-सहगामी क्रियाएँ जैसे खेल, संगीत और कला, छात्र के शारीरिक, सामाजिक, संवेगात्मक और नैतिक विकास में सहायता करती हैं, जिससे उनका व्यक्तित्व पूर्ण बनता है।

153. निम्न में से किसने अधिगम सिद्धान्त (Learning Theory) का प्रतिपादन नहीं किया?
(1) थार्नडाइक (2) स्किनर (3) कोहलर (4) बी.एस. ब्लूम

सही उत्तर: (4) बी.एस. ब्लूम (B.S. Bloom)
व्याख्या: थार्नडाइक, स्किनर और कोहलर प्रसिद्ध मनोवैज्ञानिक हैं जिन्होंने सीखने के नियम दिए हैं। जबकि बेंजामिन ब्लूम ने 'शिक्षण उद्देश्यों का वर्गीकरण' (Taxonomy of Educational Objectives) प्रस्तुत किया था।

154. शिक्षा में अवरोधन (Stagnation) का तात्पर्य है:
(1) किसी बालक का एक वर्ष से अधिक समय तक एक ही कक्षा में रहना
(2) बालक का विद्यालय न जाना
(3) बालक का विद्यालय में प्रवेश न लेना
(4) बालक द्वारा विद्यालय छोड़ देना
सही उत्तर: (1) किसी बालक का एक वर्ष से अधिक समय तक एक ही कक्षा में रहना
व्याख्या: जब कोई छात्र शैक्षिक विफलता के कारण एक ही ग्रेड या कक्षा में एक वर्ष से अधिक समय तक रुकता है, तो उसे अवरोधन कहा जाता है। इसे प्राथमिक शिक्षा की एक बड़ी समस्या माना जाता है।

155. निम्न में से किस कौशल में पूर्व ज्ञान (Previous Knowledge) का परीक्षण आता है?
(1) प्रदर्शन कौशल (2) प्रस्तावना कौशल (3) उद्दीपन-परिवर्तन कौशल (4) समापन कौशल
सही उत्तर: (2) प्रस्तावना कौशल (Set Induction / Introduction Skill)
व्याख्या: सूक्ष्म शिक्षण (Micro-teaching) के दौरान, प्रस्तावना कौशल का मुख्य उद्देश्य छात्रों के पिछले ज्ञान की जाँच करना और उसे नए पाठ से जोड़ना होता है।

156. निम्न में किस सिद्धान्त को पुनर्बलन का सिद्धान्त (Theory of Reinforcement) भी कहते हैं?
(1) क्रिया प्रसूत अनुबन्धन सिद्धान्त (2) उद्दीपक अनुक्रिया सिद्धान्त
(3) शास्त्रीय अनुबन्धन सिद्धान्त (4) सूझ का सिद्धान्त
सही उत्तर: (1) क्रिया प्रसूत अनुबन्धन सिद्धान्त (Operant Conditioning Theory)
व्याख्या: बी.एफ. स्किनर के इस सिद्धांत में व्यवहार को सुदृढ़ करने के लिए 'पुनर्बलन' (Reinforcement) को सबसे महत्वपूर्ण कड़ी माना गया है, जो सीखने की गति को निर्धारित करता है।

157. निम्न में से कौन-सी अवस्था ब्रूनर (Bruner) के संज्ञानात्मक विकास सिद्धान्त का अंग नहीं है?
(1) क्रियात्मक अवस्था (2) प्रतिबिम्बात्मक अवस्था
(3) आन्त प्रज्ञ अवस्था (4) संकेतात्मक अवस्था
सही उत्तर: (3) आन्त प्रज्ञ अवस्था (Intuitive Stage)
व्याख्या: जेरोम ब्रूनर ने संज्ञानात्मक विकास की तीन अवस्थाएँ बताई हैं: 1. क्रियात्मक (Enactive), 2. प्रतिबिम्बात्मक (Iconic) और 3. संकेतात्मक (Symbolic)। 'आन्त प्रज्ञ अवस्था' जीन पियाजे (Jean Piaget) के पूर्व-संक्रियात्मक काल का हिस्सा है।

158. मॉरीशन (Morrison) के बोध स्तर के शिक्षण प्रतिमान के पाँच पदों का सही क्रम है:
(1) □, □□, □□□, □□, □ (2) □□, □, □□, □□□, □
(3) □□, □, □□□, □, □□ (4) □□, □, □□□, □□, □
सही उत्तर: (2) □□, □, □□, □□□, □
व्याख्या: मॉरीशन के बोध स्तर (Understanding Level) का सही तार्किक क्रम इस प्रकार है: खोज (Exploration) → प्रस्तुतीकरण (Presentation) → आत्मीकरण (Assimilation) → संगठन (Organization) → वाचन (Recitation)।

159. निम्न में से कौन-सा संज्ञानात्मक क्षेत्र (Cognitive Domain) से संबंधित नहीं है?
(1) ज्ञान (2) अनुप्रयोग (3) अनुमूल्यन (4) बोध
सही उत्तर: (3) अनुमूल्यन (Valuing)
व्याख्या: ब्लूम के वर्गीकरण (Bloom's Taxonomy) के अनुसार ज्ञान, बोध और अनुप्रयोग संज्ञानात्मक क्षेत्र के अंग हैं। 'अनुमूल्यन' भावात्मक क्षेत्र (Affective Domain) से संबंधित है।

160. निम्न में से कौन-सा अधिगम का वक्र (Learning Curve) नहीं है?
(1) उन्नतोदर (2) मिश्रित (3) नतोदर (4) लम्बवत्
सही उत्तर: (4) लम्बवत् (Vertical)
व्याख्या: अधिगम के मुख्य वक्रों में सरल रेखीय, नतोदर (Concave), उन्नतोदर (Convex) और मिश्रित (S-shaped) वक्र शामिल हैं। 'लम्बवत्' रेखा अधिगम की प्रगति को नहीं दर्शा सकती क्योंकि इसका अर्थ शून्य समय में अनंत अधिगम होगा।

161. 'व्यवहार के कारण व्यवहार में परिवर्तन ही अधिगम है' यह किसने कहा है?
(1) क्रो एण्ड क्रो (2) गिलफर्ड (3) वुडवर्थ (4) स्किनर
सही उत्तर: (2) गिलफर्ड (Guilford)
व्याख्या: यह प्रसिद्ध परिभाषा जे० पी० गिलफर्ड द्वारा दी गई है। उनके अनुसार, हमारे व्यवहार में आने वाला कोई भी बदलाव जो पिछले व्यवहार के अनुभव से उत्पन्न होता है, वही सीखना या अधिगम है।

162. समस्या समाधान (Problem Solving) का प्रथम चरण है:
(1) परिकल्पना का निर्माण (2) समस्या की पहचान
(3) आँकड़ा संग्रहण (4) परिकल्पना का परीक्षण
सही उत्तर: (2) समस्या की पहचान (Identification of the Problem)
व्याख्या: किसी भी वैज्ञानिक या तार्किक समस्या समाधान प्रक्रिया का सबसे पहला और अनिवार्य चरण समस्या को स्पष्ट रूप से पहचानना और उसे परिभाषित करना है। जब तक समस्या की पहचान नहीं होगी, आँकड़ा संग्रहण या परिकल्पना (Hypothesis) का निर्माण संभव नहीं है।

163. बालकों का अधिगम (Learning) सर्वाधिक प्रभावशाली होगा जब:
(1) शिक्षक अधिगम प्रक्रिया में आगे होकर बालकों को निष्क्रिय रखेगा।
(2) बालकों का संज्ञानात्मक, भावात्मक तथा मनोचालक पक्षों का विकास होगा।
(3) पढ़ने-लिखने एवं गणितीय कुशलताओं पर ही बल होगा।
(4) शिक्षण व्यवस्था एकाधिकारवादी (Authoritarian) होगी।
सही उत्तर: (2) बालकों का संज्ञानात्मक, भावात्मक तथा मनोचालक पक्षों का विकास होगा।

व्याख्या: प्रभावी अधिगम तभी माना जाता है जब वह बालक का सर्वांगीण विकास (Holistic Development) करे। इसमें ब्लूम के तीनों पक्षों— संज्ञानात्मक (Cognitive), भावात्मक (Affective) और मनोचालक (Psychomotor) का संतुलित विकास शामिल है।

164. स्मृति स्तर (Memory Level) एवं बोध स्तर (Understanding Level) के शिक्षण प्रतिमान की संरचना में कौन-सा सोपान उभयनिष्ठ (Common) है?
(1) तैयारी (2) अन्वेषण (3) सामान्यीकरण (4) प्रस्तुतीकरण
सही उत्तर: (4) प्रस्तुतीकरण (Presentation)
व्याख्या: हरबर्ट (Herbart) के स्मृति स्तर और मॉरीशन (Morrison) के बोध स्तर, दोनों ही प्रतिमानों में 'प्रस्तुतीकरण' एक महत्वपूर्ण और साझा सोपान है, जहाँ विषय-वस्तु को छात्रों के सम्मुख रखा जाता है।

165. मानव-विकास (Human Development) का प्रारम्भ होता है:
(1) शैशवावस्था से (2) पूर्व-बाल्यावस्था से
(3) गर्भावस्था से (4) उत्तर-बाल्यावस्था से
सही उत्तर: (3) गर्भावस्था (Prenatal Stage) से
व्याख्या: विकास एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है जो गर्भाधान (Conception) के समय से ही शुरू हो जाती है और जीवनपर्यंत चलती रहती है। जन्म के बाद की अवस्थाएँ (शैशवावस्था आदि) इसी क्रमिक विकास का हिस्सा हैं।

166. 'द कंडीशन्स ऑफ लर्निंग' (The Conditions of Learning) पुस्तक के लेखक हैं:
(1) आई.पी. पावलव (2) बी.एफ. स्किनर (3) ई.एल. थार्नडाइक (4) आर.एम. गेने
सही उत्तर: (4) आर.एम. गेने (R.M. Gagne)
व्याख्या: रॉबर्ट गेने ने अपनी इस प्रसिद्ध पुस्तक में अधिगम के आठ सोपान (Hierarchy of Learning) बताए हैं, जो सरल से जटिल के क्रम में व्यवस्थित हैं।

167. "किशोरावस्था बड़े संघर्ष, तनाव, हमला व विरोध की अवस्था है।" यह कथन किसका है?
(1) क्रो एण्ड क्रो (2) स्टेन्ले हॉल (3) जरशील्ड (4) सिम्पसन
सही उत्तर: (2) स्टेन्ले हॉल (Stanley Hall)
व्याख्या: जी० स्टेन्ले हॉल को 'किशोरावस्था के मनोविज्ञान का जनक' माना जाता है। उन्होंने इस अवस्था में होने वाले तीव्र परिवर्तनों के कारण इसे 'तूफान और तनाव की अवस्था' कहा है।

168. सूक्ष्म शिक्षण (Micro-teaching) के भारतीय प्रतिमान में कुल कितना समय लगता है?
(1) 30 मिनट (2) 40 मिनट (3) 36 मिनट (4) 45 मिनट
सही उत्तर: (3) 36 मिनट
व्याख्या: NCERT के अनुसार भारतीय सूक्ष्म शिक्षण चक्र 36 मिनट का होता है: शिक्षण (6), प्रतिपुष्टि (6), पुनः योजना (12), पुनः शिक्षण (6) और पुनः प्रतिपुष्टि (6)।

169. "सीखने का पठार सीखने की प्रक्रिया के मुख्य अभिलक्षण हैं..." यह कथन किसका है?
(1) स्किनर (2) हालिंगवर्थ (3) गेट्स व अन्य (4) रॉस
सही उत्तर: (4) रॉस (Ross)
व्याख्या: रॉस के अनुसार, सीखने का पठार (Learning Plateau) उस अवधि को दर्शाता है जब सीखने की गति में कोई प्रत्यक्ष उन्नति नहीं दिखाई देती।

170. स्तम्भ -□ तथा स्तम्भ -□ को सुमेलित कीजिए:
स्तम्भ -□: □. एनिमल इंटैलिजेन्स, □. पुनर्बलन की अनुसूची, □. सारगर्भिता का नियम, □. अनुकूलन
स्तम्भ -□: □. गेस्टॉल्ट, □□. पियाजे, □□□. थॉर्नडाइक, □□. स्किनर
सही उत्तर: (1) □-□□□, □-□□, □-□, □-□□
सही मिलान:
- □ **एनिमल इंटैलिजेन्स:** थॉर्नडाइक (Thorndike)
- □ **पुनर्बलन की अनुसूची:** स्किनर (Skinner)
- □ **सारगर्भिता का नियम:** गेस्टॉल्ट (Gestalt)
- □ **अनुकूलन (Adaptation):** पियाजे (Piaget)

171. "विकास कभी न समाप्त होने वाली प्रक्रिया है।" यह कथन विकास के किस सिद्धान्त से सम्बन्धित है?
(1) निरन्तरता का सिद्धान्त (2) एकीकरण का सिद्धान्त (3) अन्त:क्रिया का सिद्धान्त
सही उत्तर: (1) निरन्तरता का सिद्धान्त (Principle of Continuity)
व्याख्या: यह सिद्धान्त बताता है कि विकास 'पालने से श्मशान' (Womb to Tomb) तक चलता रहता है और कभी रुकता नहीं है।

172. संविधान के किस संशोधन से शिक्षा एक मौलिक अधिकार (Fundamental Right) बन गयी है?
(1) 22 वें संशोधन (2) 25 वें संशोधन (3) 86 वें संशोधन (4) 52 वें संशोधन
सही उत्तर: (3) 86 वें संशोधन
व्याख्या: वर्ष 2002 में हुए **86वें संविधान संशोधन** द्वारा अनुच्छेद 21-□ जोड़ा गया, जिसके तहत 6 से 14 वर्ष के बच्चों के लिए 'नि:शुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा' को मौलिक अधिकार बनाया गया।

173. अभिप्रेरणा (Motivation) के मूल-प्रवृत्ति सिद्धान्त के प्रतिपादक थे:
(1) विलियम जेम्स (2) अब्राहम मैस्लो (3) मैक्डूगल (4) सिम्पसन
सही उत्तर: (3) मैक्डूगल (McDougall)
व्याख्या: विलियम मैक्डूगल ने 14 प्रकार की मूल प्रवृत्तियाँ (Instincts) और उनसे जुड़े 14 संवेग बताए हैं। उनके अनुसार मनुष्य का व्यवहार इन्हीं मूल प्रवृत्तियों से प्रेरित होता है।

174. विकास की किस अवस्था को कोल तथा ब्रूस ने "संवेगात्मक विकास का अनोखा काल" कहा है?
(1) किशोरावस्था (2) बाल्यावस्था (3) शैशवावस्था (4) प्रौढ़ावस्था
सही उत्तर: (2) बाल्यावस्था (Childhood)
व्याख्या: बाल्यावस्था में बालक के संवेगों में स्थायित्व आने लगता है और वह सामाजिक परिवेश के अनुसार प्रतिक्रिया करना सीखता है, इसीलिए इसे 'अनोखा काल' कहा गया है।

175. किसने बहुविमात्मक प्रज्ञा (Multiple Intelligence) का प्रत्यय दिया?
(1) गार्डनर (2) स्पीयरमैन (3) गोलमैन (4) जॉन मेयर
सही उत्तर: (1) गार्डनर (Howard Gardner)
व्याख्या: हॉवर्ड गार्डनर ने स्पष्ट किया कि बुद्धि कोई एक तत्व नहीं है, बल्कि यह कई प्रकार की होती है (जैसे— भाषाई, तार्किक, संगीतात्मक आदि)।

176. डिस्लेक्सिया (Dyslexia) में यह करने में कठिनाई होती है:
(1) बोलने में (2) व्यक्त करने में (3) पढ़ने/वर्तनी में (4) खड़े होने में
सही उत्तर: (3) पढ़ने/वर्तनी (Reading/Spelling) में
व्याख्या: डिस्लेक्सिया एक पठन विकार (Learning Disability) है जिसमें बालक को वर्णों को पहचानने, शब्दों को पढ़ने और सही वर्तनी लिखने में समस्या आती है।

177. निम्न में से क्या समावेशी कक्षा (Inclusive Classroom) में शिक्षक की भूमिका नहीं है?
(1) शिक्षक को अक्षम बच्चों को अतिरिक्त समय देना चाहिए।
(2) शिक्षक को नि:शक्त बच्चों पर ध्यान नहीं देना चाहिए।
(3) बैठने की पर्याप्त व्यवस्था करनी चाहिए।
(4) बच्चों को प्रोत्साहित करना चाहिए।
सही उत्तर: (2) शिक्षक को नि:शक्त बच्चों पर ध्यान नहीं देना चाहिए।
व्याख्या: समावेशी शिक्षा का मूल मंत्र ही 'सबके लिए शिक्षा' है। शिक्षक का कर्तव्य है कि वह विशिष्ट आवश्यकताओं वाले बच्चों पर विशेष ध्यान दे और उन्हें मुख्यधारा से जोड़े।

178. कक्षा में छात्रों को प्रश्न पूछने के लिए:
(1) अनुमति नहीं देनी चाहिए (2) प्रेरित करना चाहिए
(3) हतोत्साहित करना चाहिए (4) रोक देना चाहिए
सही उत्तर: (2) प्रेरित (Encourage) करना चाहिए
व्याख्या: प्रश्न पूछना सक्रिय अधिगम (Active Learning) का संकेत है। इससे छात्रों की जिज्ञासा बढ़ती है और संशय दूर होते हैं।

179. बच्चे की वृद्धि (Growth) मुख्यत: सम्बन्धित है:
(1) नैतिक विकास से (2) सामाजिक विकास से (3) शारीरिक विकास से (4) भावात्मक विकास से
सही उत्तर: (3) शारीरिक विकास (Physical Development) से
व्याख्या: 'वृद्धि' शब्द का प्रयोग शरीर के अंगों के आकार, भार और लम्बाई में होने वाले मात्रात्मक परिवर्तनों के लिए किया जाता है, जिसे मापा जा सकता है।

180. मनोविज्ञानशाला, उत्तर प्रदेश कहाँ स्थित है?
(1) लखनऊ
(2) इलाहाबाद (प्रयागराज)
(3) आगरा
(4) वाराणसी
सही उत्तर: (2) इलाहाबाद (वर्तमान प्रयागराज)
व्याख्या: उत्तर प्रदेश की मनोविज्ञानशाला की स्थापना आचार्य नरेन्द्र देव समिति की संस्तुति पर 1947 में इलाहाबाद (प्रयागराज) में की गई थी। यह संस्थान शैक्षिक और Vocational Guidance प्रदान करने का कार्य करता है।

181. जो सम्बन्ध स्किनर का चूहों से एवं थॉर्नडाइक का बिल्लियों से था, वही सम्बन्ध कोहलर का था
(1) कुत्तों से
(2) मुर्गियों से
(3) बंदरों से
(4) वनमानुषों से
सही उत्तर: (4) वनमानुषों से
व्याख्या: Gestalt मनोवैज्ञानिक वुल्फगैंग कोहलर ने 'Insight Theory' का प्रतिपादन किया, जिसके लिए उन्होंने 'सुल्तान' नामक Chimpanzee पर प्रयोग किए थे।

182. अधिगम का पठार है
(1) अधिगम में अवरुद्ध वर्द्धन
(2) अधिगम में दोष
(3) अधिगम की समाप्ति
(4) अधिगम में अवरोध
सही उत्तर: (1) अधिगम में अवरुद्ध वर्द्धन
व्याख्या: जब सीखने की गति में न तो उन्नति होती है और न ही अवनति, तो उसे 'Learning Plateau' कहते हैं। यह सीखने में Arrested Growth का सूचक है।

183. 'The Behavior of Organisms' नामक पुस्तक के लेखक हैं
(1) स्किनर
(2) हल
(3) पैवलव
(4) थॉर्नडाइक
सही उत्तर: (1) स्किनर
व्याख्या: B.F. Skinner ने 1938 में अपनी प्रसिद्ध पुस्तक 'The Behavior of Organisms' प्रकाशित की थी, जिसमें उन्होंने 'Operant Conditioning' के सिद्धांतों की व्याख्या की है।

184. छात्रों में सही व्यवहार के प्रशिक्षण हेतु सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण क्या है?
(1) प्रशंसा
(2) दण्ड
(3) पुरस्कार
(4) सही व्यवहार का प्रस्तुतीकरण
सही उत्तर: (4) सही व्यवहार का प्रस्तुतीकरण
व्याख्या: बालक अनुकरण के माध्यम से तेजी से सीखते हैं। यदि शिक्षक स्वयं Model Behavior प्रस्तुत करता है, तो छात्र उसे देखकर सही आचरण जल्दी अपनाते हैं।

185. समस्या समाधान में 'Goal Gradient' के सम्प्रत्यय को किसने प्रस्तावित किया था?
(1) हल
(2) केन्डलर
(3) कोहलर
(4) ब्रिक
सही उत्तर: (1) हल
व्याख्या: C.L. Hull ने 'Goal Gradient' का विचार दिया था। इसके अनुसार, जैसे-जैसे जीव अपने लक्ष्य के करीब पहुँचता है, उसकी कार्य करने की गति और Motivation बढ़ जाती है।

186. इनमें से कौन सूक्ष्म-शिक्षण की विचारधारा से सम्बन्धित नहीं हैं?
(1) बुश

(2) डेविड ह्यूम
(3) डी० डब्ल्यू० एलेन
(4) एचीसन
सही उत्तर: (2) डेविड ह्यूम
व्याख्या: Micro-teaching का विकास Stanford University में एलेन, बुश और एचीसन के प्रयासों से हुआ था। डेविड ह्यूम एक दार्शनिक थे।

187. निम्न में से कौन-सा शिक्षण-अधिगम का स्तर नहीं है?
(1) अवबोध स्तर
(2) परावर्ती स्तर
(3) स्मृति स्तर
(4) दूरवर्ती स्तर
सही उत्तर: (4) दूरवर्ती स्तर
व्याख्या: शिक्षण के तीन मुख्य स्तर होते हैं: Memory Level (हर्बर्ट), Understanding Level (मॉरिसन) और Reflective Level (हंट)। Distance Level शिक्षा का एक प्रकार है, स्तर नहीं।

188. निम्न में से कौन-सी कक्षा शिक्षण में जनतांत्रिक शिक्षण-नीति नहीं है?
(1) व्याख्यान
(2) योजना
(3) अन्वेषण
(4) मस्तिष्क उद्वेलन
सही उत्तर: (1) व्याख्यान
व्याख्या: Lecture Method एक Teacher-centered रणनीति है। जबकि Project, Discovery और Brainstorming छात्र-केन्द्रित एवं Democratic नीतियाँ हैं।

189. निम्न में से कौन-सी समावेशी शिक्षा (Inclusive Education) की एक विशेषता नहीं है?
(1) यह केवल विशेष आवश्यकता वाले छात्रों के सीखने में अभिवृद्धि करती है
(2) यह दिव्यांग बालकों की देखभाल से उनकी शिक्षा और व्यक्तिगत विकास की ओर सेवा में बदलाव है
(3) समावेशी शिक्षा एक सतत प्रक्रिया है, यह कोई उपार्जित अवस्था या उत्पाद नहीं है
(4) यह सभी विद्यार्थियों की क्षमताओं को अधिकतम स्तर तक बढ़ाना चाहती है
सही उत्तर: (1)
व्याख्या: समावेशी शिक्षा (Inclusive Education) केवल विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए नहीं, बल्कि सभी बच्चों (सामान्य और विशिष्ट) को एक साथ शिक्षित करने पर आधारित है। विकल्प (1) इसे 'केवल' विशेष छात्रों तक सीमित कर देता है, जो गलत है।

190. निम्न में से कौन-सा फ्लेण्डर की अन्तःक्रिया विश्लेषण प्रणाली (Flander's Interaction Analysis System) से सम्बन्धित नहीं है?
(1) छात्र कथन (2) अभिभावक कथन (3) शिक्षक कथन (4) मौन
सही उत्तर: (2) अभिभावक कथन (Parent Talk)
व्याख्या: फ्लेण्डर की अन्तःक्रिया विश्लेषण प्रणाली में 10 श्रेणियाँ होती हैं, जिनमें शिक्षक कथन (Teacher Talk), छात्र कथन (Student Talk) और मौन/भ्रान्ति (Silence/Confusion) शामिल हैं। इसमें अभिभावक कथन का कोई स्थान नहीं है।

191. सम्भाषण में अर्थ की लघुतम इकाई (Smallest unit of meaning) है:
(1) रूपग्राम (Morpheme) (2) पद (3) ध्वनिग्राम (Phoneme) (4) शब्द
सही उत्तर: (1) रूपग्राम (Morpheme)
व्याख्या: भाषा में अर्थ की सबसे छोटी इकाई को रूपग्राम (Morpheme) कहते हैं। ध्वनिग्राम (Phoneme) भाषा की सबसे छोटी ध्वनि इकाई होती है, लेकिन उसका स्वयं का अर्थ होना आवश्यक नहीं है।

192. "हम करके सीखते हैं" (Learning by doing) किसने कहा था?
(1) योकम (2) सिम्पसन (3) डॉ० मेस (4) कोलेसनिक
सही उत्तर: (2) सिम्पसन (Simpson)
व्याख्या: "हम करके सीखते हैं" का प्रसिद्ध विचार **सिम्पसन** द्वारा दिया गया था। यह क्रिया-आधारित अधिगम (Activity-based learning) पर बल देता है। (नोट: कई संदर्भों में डॉ. मेस का भी नाम आता है, लेकिन आधिकारिक उत्तर कुंजी में प्रायः सिम्पसन को वरीयता दी जाती है)।

193. निम्न में से कौन-सा शिक्षण का स्तर (Level of Teaching) नहीं है?
(1) बोध (Understanding) (2) चिन्तन (Reflective)
(3) स्मृति (Memory) (4) वर्णन (Description)
सही उत्तर: (4) वर्णन (Description)
व्याख्या: शिक्षण के मुख्य तीन स्तर होते हैं: 1. स्मृति स्तर (Memory Level), 2. बोध स्तर (Understanding Level), और 3. चिन्तन स्तर (Reflective Level)। वर्णन शिक्षण का कोई आधिकारिक 'स्तर' नहीं है।

194. शिक्षण की अन्तःक्रियात्मक अवस्था (Interactive stage of teaching) में मुख्य संक्रिया होती है:
(1) निदान की (2) प्रत्यक्षीकरण की (3) क्रिया और प्रतिक्रिया की (4) उपर्युक्त सभी
सही उत्तर: (4) उपर्युक्त सभी
व्याख्या: अन्तःक्रियात्मक अवस्था (Interactive stage) वह होती है जब शिक्षक कक्षा में पढ़ा रहा होता है। इसमें छात्रों का प्रत्यक्षीकरण (Perception), निदान (Diagnosis) और क्रिया-प्रतिक्रिया (Action-Reaction) तीनों शामिल हैं।

195. एक बालक काली गाय, काला कुत्ता तथा काली वस्तुओं को देखकर डरने लगता है। इस प्रकार के अनुबंधन (Conditioning) में निहित है:
(1) अनुक्रिया अनुबंधन (2) उद्दीपक सामान्यीकरण
(3) अनुक्रिया सामान्यीकरण (4) उपर्युक्त में से कोई नहीं
सही उत्तर: (2) उद्दीपक सामान्यीकरण (Stimulus Generalization)
व्याख्या: जब कोई बालक एक विशिष्ट उद्दीपक (काला रंग) के प्रति डरना सीख जाता है और फिर उसी से मिलती-जुलती सभी वस्तुओं (General Stimuli) के प्रति वही प्रतिक्रिया देता है, तो इसे उद्दीपक सामान्यीकरण (Stimulus Generalization)

कहते हैं।

196. शिक्षण विधि (Teaching Method) का चयन करते समय निम्न में से किसको ध्यान में रखने की आवश्यकता नहीं है?
(1) व्यक्तिगत भेद (2) अभिभावक की पृष्ठभूमि
(3) विद्यार्थियों का मानसिक स्तर (4) विषय की विशिष्ट प्रकृति
सही उत्तर: (2) अभिभावक की पृष्ठभूमि (Parent's Background)
व्याख्या: शिक्षण विधि का चयन छात्र की क्षमता, व्यक्तिगत भिन्नता (Individual Differences) और विषय की प्रकृति के आधार पर होना चाहिए। इसमें माता-पिता की सामाजिक या आर्थिक पृष्ठभूमि का कोई महत्व नहीं होता।

197. निम्न में से कौन-सी बाल्यावस्था (Childhood) की एक विशेषता नहीं है?
(1) सामूहिकता की प्रबलता (2) जिज्ञासा की कमी
(3) अभिवृद्धि में स्थिरता (4) समूह एवं खेलों में सहभागिता
सही उत्तर: (2) जिज्ञासा की कमी (Lack of Curiosity)
व्याख्या: बाल्यावस्था में बच्चों में जिज्ञासा (Curiosity) बहुत तीव्र होती है। वे 'क्यों' और 'कैसे' जैसे सवाल बहुत पूछते हैं। अतः 'जिज्ञासा की कमी' बाल्यावस्था की विशेषता नहीं है।

198. निम्न में से कौन-सा सृजनात्मक प्रक्रिया (Creative Process) से सम्बन्धित नहीं है?
(1) उद्भवन (2) अभिप्रेरण (3) आयोजन (4) प्रबोधन
सही उत्तर: (2) अभिप्रेरण (Motivation)
व्याख्या: ग्राहम वालास के अनुसार सृजनात्मकता के चार चरण हैं: 1. आयोजन (Preparation), 2. उद्भवन (Incubation), 3. प्रबोधन (Illumination), और 4. प्रमाणीकरण (Verification)। अभिप्रेरण सीखने का कारक है, सृजनात्मक प्रक्रिया का चरण नहीं।

199. निम्न में से कौन-सा वृद्धि और विकास (Growth and Development) का प्रथम चरण है?
(1) शारीरिक विकास (2) सामाजिक विकास (3) नैतिक विकास (4) मानसिक विकास
सही उत्तर: (1) शारीरिक विकास (Physical Development)
व्याख्या: विकास की प्रक्रिया में सबसे पहले बालक का शारीरिक ढाँचा विकसित होता है। शारीरिक परिवर्तन ही अन्य सभी विकास (मानसिक, सामाजिक आदि) का आधार बनते हैं।

200. सीखना (Learning) एक तरह के व्यवहार का:
(1) बचाव है (2) विस्तार है (3) संशोधन है (4) प्रसार है
सही उत्तर: (3) संशोधन है (Modification)
व्याख्या: मनोविज्ञान में अधिगम (Learning) को 'व्यवहार में होने वाले अपेक्षाकृत स्थायी परिवर्तन या संशोधन' के रूप में परिभाषित किया जाता है।

201. स्किनर बॉक्स (Skinner Box) का प्रयोग किया जाता है:
(1) शाब्दिक अधिगम के लिए (2) प्रसूत अनुबंधन के लिए
(3) चालक अधिगम के लिए (4) आकस्मिक अधिगम के लिए
सही उत्तर: (2) प्रसूत अनुबंधन (Operant Conditioning) के लिए
व्याख्या: बी. एफ. स्किनर ने चूहे और कबूतरों पर प्रयोग करने के लिए इस बॉक्स का निर्माण किया था, जिसे 'क्रिया प्रसूत अनुबंधन' (Operant Conditioning) का सिद्धांत कहा जाता है।

202. बुद्धिमापन की भाटिया बैटरी परीक्षण (Bhatia Battery Test) में हैं:
(1) 5 उप-परीक्षण (2) 8 उप-परीक्षण (3) 4 उप-परीक्षण (4) 7 उप-परीक्षण
सही उत्तर: (1) 5 उप-परीक्षण (5 Sub-tests)
व्याख्या: चंद्र मोहन भाटिया द्वारा निर्मित इस परीक्षण में 5 उप-परीक्षण शामिल हैं: कोह का ब्लॉक डिजाइन, पास एलॉन्ग टेस्ट, पैटर्न ड्राइंग, तत्काल स्मृति परीक्षण और चित्र निर्माण परीक्षण।

203. किंडरगार्टन विधि (Kindergarten Method) का प्रतिपादन किसने किया?
(1) फ्रोबेल (2) मॉन्टेसरी (3) कुक (4) डाल्टन
सही उत्तर: (1) फ्रोबेल (Froebel)
व्याख्या: फ्रेडरिक फ्रोबेल ने Kindergarten (बच्चों का बगीचा) विधि का प्रतिपादन किया। इस विधि में खेल, गीतों और उपहारों के माध्यम से बच्चों के स्वाभाविक विकास पर बल दिया जाता है।

204. संकलनात्मक परामर्श (Eclectic Counselling) के जन्मदाता हैं:
(1) थॉर्न (2) रोजर्स (3) विलियम्सन (4) इनमें से कोई नहीं
सही उत्तर: (1) थॉर्न (Thorne)
व्याख्या: एफ. सी. थॉर्न को संकलनात्मक परामर्श का जनक माना जाता है। यह विधि निर्देशात्मक (Directive) और अनिर्देशात्मक (Non-directive) परामर्श का मिश्रण है।

205. छात्र के अवांछित व्यवहार (Undesirable behavior) के संशोधन हेतु सबसे प्रभावी विधि है:
(1) छात्र को दण्डित करना (2) उसे नजरन्दाज करना
(3) उसे माता-पिता को सूचित करना (4) अवांछित व्यवहार के कारणों का पता लगाना तथा उपचारों का सुझाव देना
सही उत्तर: (4)
व्याख्या: शिक्षा मनोविज्ञान के अनुसार, किसी भी अवांछित व्यवहार को सुधारने का सबसे वैज्ञानिक तरीका उसके मूल कारणों का निदान (Diagnosis) करना और फिर उपचारात्मक (Remedial) सुझाव देना है।

206. डिस्लेक्सिया (Dyslexia) संबंधित है:
(1) पढ़ने संबंधी समस्या से (2) गणितीय कौशल संबंधी समस्या से
(3) लेखन संबंधी समस्या से (4) वाकू-क्षमता संबंधी विकार से
सही उत्तर: (1) पढ़ने संबंधी समस्या से (Reading disorder)
व्याख्या: डिस्लेक्सिया एक अधिगम अक्षमता (Learning Disability) है जिसमें बालक को शब्दों को पहचानने, पढ़ने और वर्तनी समझने में कठिनाई होती है। गणितीय समस्या को 'डिस्कैलकुलिया' और लेखन समस्या को 'डिस्ग्राफिया' कहते हैं।

207. ब्रेल लिपि (Braille Script) एवं टेप-रिकॉर्डिंग किसके लिए शैक्षिक प्रावधान के रूप में प्रयुक्त किये जा सकते हैं?
(1) दृष्टिबाधित विद्यार्थी (2) अस्थिबाधित विद्यार्थी
(3) श्रवणबाधित विद्यार्थी (4) शारीरिक रूप से विकलांग विद्यार्थी
सही उत्तर: (1) दृष्टिबाधित विद्यार्थी (Visually Impaired)
व्याख्या: लुई ब्रेल द्वारा विकसित 'ब्रेल लिपि' स्पर्श-आधारित (Tactile) होती है और टेप-रिकॉर्डिंग श्रव्य-आधारित होती है, जो उन छात्रों के लिए उपयोगी है जो देख नहीं सकते।

208. सी० डब्ल्यू० एस० एन० (CWSN) का अर्थ है:
(1) मजबूत आवश्यकता वाले बच्चे (2) एकांगी आवश्यकता वाले बच्चे
(3) विशिष्ट आवश्यकता वाले बच्चे (4) मृदु आवश्यकता वाले व्यक्ति
सही उत्तर: (3) विशिष्ट आवश्यकता वाले बच्चे (Children With Special Needs)
व्याख्या: CWSN का पूर्ण रूप Children With Special Needs है। इसमें वे बच्चे आते हैं जिन्हें शारीरिक, मानसिक या सीखने संबंधी चुनौतियों के कारण विशेष सहायता की आवश्यकता होती है।

209. निम्न में से कौन-सा परामर्श (Counselling) का एक तत्त्व नहीं है?
(1) साक्षात्कार (2) विश्वास (3) वृत्तिक वृद्धि (4) सम्प्रेषण
सही उत्तर: (3) वृत्तिक वृद्धि (Professional Growth)
व्याख्या: परामर्श प्रक्रिया के मुख्य तत्वों में साक्षात्कार (Interview), आपसी विश्वास (Trust) और सम्प्रेषण (Communication) शामिल हैं। वृत्तिक वृद्धि परामर्शदाता का अपना व्यक्तिगत विकास हो सकता है, लेकिन यह परामर्श प्रक्रिया का आंतरिक तत्व नहीं है।

210. कोहलर यह सिद्ध करना चाहता था कि सीखना
(1) एक ऐसी स्थिति है जिसमें व्यक्ति, पशु से श्रेष्ठ है
(2) स्वायत्त यादृच्छिक क्रिया है
(3) संज्ञानात्मक संकार्य है
(4) परिस्थिति के विभिन्न अंगों का प्रत्यक्षीकरण है
सही उत्तर: (3) संज्ञानात्मक संकार्य है
व्याख्या: कोहलर के अनुसार, सीखना कोई यांत्रिक प्रयास-त्रुटि नहीं बल्कि एक **संज्ञानात्मक संकार्य (□□□□□□□□□□ □□□□□□□□□)** है। उन्होंने 'अंतर्दृष्टि के सिद्धांत' में बताया कि जीव संपूर्ण परिस्थिति का मानसिक विश्लेषण कर अचानक समाधान प्राप्त करता है।

211. किसी भी नयी भाषा को सीखने के लिए कहाँ से प्रारम्भ किया जाना चाहिए?
(1) अक्षरों व शब्दों के मध्य साहचर्य से
(2) वाक्यों के निर्माण से
(3) शब्दों के निर्माण से
(4) उपर्युक्त में से कोई नहीं
सही उत्तर: (1) अक्षरों व शब्दों के मध्य साहचर्य से
व्याख्या: भाषा विकास की प्राथमिक अवस्था **साहचर्य (□□□□□□□□□□□□)** है। बालक सबसे पहले ध्वनियों (अक्षरों) को पहचानता है और फिर उन्हें अर्थपूर्ण शब्दों से जोड़ना सीखता है।

212. समावेशी कक्षा में किस प्रकार का/के छात्र शामिल होता/होते है/हैं?
(1) केवल विशिष्ट छात्र
(2) सामान्य और विशिष्ट छात्र
(3) केवल सामान्य छात्र
(4) बहुभाषी और प्रतिभाशाली छात्र
सही उत्तर: (2) सामान्य और विशिष्ट छात्र
व्याख्या: **समावेशी शिक्षा (□□□□□□□□□□ □□□□□□□□□□)** का अर्थ है कि बिना किसी भेदभाव के **सामान्य** और **विशिष्ट** (दिव्यांग या प्रतिभाशाली) छात्रों को एक ही कक्षा में एक साथ शिक्षित किया जाए।

213. अधोलिखित में गणित-सम्बन्धी अधिगम अक्षमता को कौन-सा पद परिभाषित करता है?
(1) नीरसता सम्बन्धी दोष
(2) पठन दोष
(3) गणना दोष
(4) उपर्युक्त में से कोई नहीं
सही उत्तर: (3) गणना दोष
व्याख्या: गणितीय अक्षमता को **डिस्कैलकुलिया (□□□□□□□□□□□□)** या **गणना दोष** कहा जाता है। इसमें छात्र को संख्यात्मक गणनाओं और गणितीय चिन्हों को समझने में कठिनाई होती है।

214. समावेशीकरण की सफलता के लिए आवश्यक है
(1) क्षमता निर्माण का अभाव
(2) अभिभावकों की भागेदारी का न होना
(3) अलगाव
(4) संवेदनशीलता
सही उत्तर: (4) संवेदनशीलता
व्याख्या: समावेशीकरण की सफलता के लिए समाज और शिक्षकों में **संवेदनशीलता (□□□□□□□□□□□□)** अनिवार्य है ताकि वे विशिष्ट आवश्यकता वाले बच्चों की बाधाओं को समझकर उन्हें स्वीकार कर सकें।

215. निम्न में से कौन-सा संवेग का तत्त्व नहीं है?
(1) व्यवहारात्मक
(2) दैहिक
(3) संज्ञानात्मक
(4) संवेदी
सही उत्तर: (4) संवेदी
व्याख्या: संवेग (□□□□□□□□) के तीन मुख्य घटक होते हैं: व्यवहारात्मक, दैहिक और संज्ञानात्मक। **संवेदी (□□□□□□□□)** अंग केवल उद्दीपकों को ग्रहण करते हैं, यह संवेग का अपना आंतरिक तत्व नहीं है।

216. संज्ञानात्मक क्षेत्र का सही क्रम है
(1) ज्ञान-अनुप्रयोग-अवबोध-विश्लेषण-संश्लेषण-मूल्यांकन
(2) मूल्यांकन-अनुप्रयोग-विश्लेषण-संश्लेषण-अवबोध-ज्ञान
(3) मूल्यांकन-संश्लेषण-विश्लेषण-अनुप्रयोग-अवबोध-ज्ञान
(4) ज्ञान-अवबोध-अनुप्रयोग-विश्लेषण-संश्लेषण-मूल्यांकन
सही उत्तर: (4) ज्ञान-अवबोध-अनुप्रयोग-विश्लेषण-संश्लेषण-मूल्यांकन
व्याख्या: बेंजामिन ब्लूम (1956) के वर्गीकरण के अनुसार संज्ञानात्मक क्षेत्र के छह स्तर होते हैं। इनका

सही क्रम सरल से जटिल की ओर इस प्रकार है: **ज्ञान (□□□□□□□□□□)** → **अवबोध (□□□□□□□□□□□□□□)** → **अनुप्रयोग (□□□□□□□□□□□□)** → **विश्लेषण (□□□□□□□□□)** → **संश्लेषण (□□□□□□□□□□)** → **मूल्यांकन (□□□□□□□□□□□)**।

217. निम्न में से कौन-सा अच्छे शिक्षण की विशेषता नहीं है?
(1) स्वेच्छाचारी
(2) जनतांत्रिक
(3) सहानुभूतिपूर्ण
(4) वांछनीय सूचनाएँ देने वाला
सही उत्तर: (1) स्वेच्छाचारी
व्याख्या: एक अच्छा शिक्षण हमेशा **जनतांत्रिक (□□□□□□□□□□□)** और छात्र-केंद्रित होता है। **स्वेच्छाचारी (□□□□□□□□□□□)** या तानाशाही रवैया शिक्षण की नकारात्मक विशेषता है, क्योंकि इसमें छात्रों की स्वतंत्रता और सहभागिता का अभाव होता है।

218. अभिप्रेरणा का प्रत्याशा सिद्धान्त किसके द्वारा दिया गया है?
(1) विक्टर व्रूम
(2) मास्लो
(3) हर्जबर्ग
(4) स्किनर
सही उत्तर: (1) विक्टर व्रूम
व्याख्या: अभिप्रेरणा का **प्रत्याशा सिद्धान्त (□□□□□□□□□□□ □□□□□□□)** 1964 में **विक्टर व्रूम (□□□□□□ □□□□□)** द्वारा प्रतिपादित किया गया था। यह सिद्धांत बताता है कि व्यक्ति किसी कार्य को करने के लिए तब प्रेरित होता है जब उसे विश्वास होता है कि उसके प्रयासों से अच्छा परिणाम मिलेगा।

219. अग्रिम व्यवस्थापक प्रतिमान किस परिवार से सम्बन्धित है?
(1) वैयक्तिक
(2) सामाजिक अन्तःक्रिया
(3) सूचना प्रक्रियाकरण
(4) व्यवहार परिमार्जन
सही उत्तर: (3) सूचना प्रक्रियाकरण
व्याख्या: डेविड आसुबेल द्वारा विकसित **अग्रिम व्यवस्थापक प्रतिमान (□□□□□□□□ □□□□□□□□□□ □□□□□)**, **सूचना प्रक्रियाकरण (□□□□□□□□□□□□ □□□□□□□□□□□)** परिवार से संबंधित है। इसका मुख्य उद्देश्य छात्रों की संज्ञानात्मक संरचना को सुदृढ़ करना और नई जानकारी को व्यवस्थित करना है।

220. कौशलों के स्थानान्तरण के लिए कौन-सा उपयोगी है?
(1) कौशल अन्तरण एक गति है न कि उद्देश्य
(2) रेखीय अभिक्रम
(3) शाखीय अभिक्रम
(4) तैयारी और अर्जन
सही उत्तर: (1) कौशल अन्तरण एक गति है न कि उद्देश्य
व्याख्या: कौशल सीखना एक निरंतर प्रक्रिया है। कौशलों के स्थानान्तरण (□□□□□□□□□ □□ □□□□□□□) के संदर्भ में यह माना जाता है कि कौशल का अंतरण एक स्वाभाविक **'गति' (□□□□)** है जो एक परिस्थिति से दूसरी परिस्थिति में स्वतः विकसित होती है।

221. निम्न में से कौन-सा शिक्षण का सूत्र नहीं है?
(1) सरल से कठिन की ओर
(2) अनिश्चित से निश्चित की ओर
(3) दृश्य से अदृश्य की ओर
(4) निगमन से आगमन की ओर
सही उत्तर: (4) निगमन से आगमन की ओर
व्याख्या: शिक्षण के सामान्य सूत्र 'आगमन से निगमन की ओर' (□□□□□□□□□□ □□ □□□□□□□□□□) होते हैं, न कि इसके विपरीत। अन्य विकल्प जैसे सरल से कठिन, अनिश्चित से निश्चित और दृश्य से अदृश्य (□□□□□□□□□ □□ □□□□□□□□□) शिक्षण के मान्य मनोवैज्ञानिक सूत्र हैं।

222. सूक्ष्म-शिक्षण चक्र का प्रथम पद होता है
(1) प्रतिपुष्टि
(2) शिक्षण
(3) योजना बनाना
(4) प्रस्तावना
सही उत्तर: (3) योजना बनाना
व्याख्या: सूक्ष्म-शिक्षण (□□□□□-□□□□□□□□□) चक्र की शुरुआत **योजना बनाने (□□□□□□□□□)** से होती है। इसका पूरा चक्र इस प्रकार है: योजना बनाना → शिक्षण → प्रतिपुष्टि → पुनः योजना → पुनः शिक्षण → पुनः प्रतिपुष्टि।

223. निम्न में से कौन-सा अवबोध स्तर के शिक्षण में शामिल है?
(1) पृथक्करण
(2) अनुप्रयोग
(3) तुलना
(4) अन्वेषण
सही उत्तर: (4) अन्वेषण
व्याख्या: मॉरिसन द्वारा प्रतिपादित 'अवबोध स्तर' (□□□□□□□□□□□□□□ □□□□□) के शिक्षण में पाँच पद होते हैं: अन्वेषण (□□□□□□□□□□□□), प्रस्तुतीकरण, आत्मीकरण, वर्णन और संगठन। अतः **अन्वेषण** इसका प्रथम और अनिवार्य हिस्सा है।

224. शैक्षिक सुधारों में प्रभावी विकेन्द्रीकरण तभी संभव होगा
□. जब खंड व संकुल संदर्भ केंद्रों की भागीदारी बढ़े
□. स्थानीय संदर्भ व्यक्ति उपलब्ध हो
□. अध्यापकों के पास संसाधन और प्रासंगिक सामग्री भी मौजूद हो
सही उत्तर चुनें :
(1) □ और □
(2) □ और □
(3) □ और □
(4) □, □ और □
सही उत्तर: (4) □, □ और □
व्याख्या: शिक्षा में विकेन्द्रीकरण (□□□□□□□□□□□□□□□□□□) को प्रभावी बनाने के लिए स्थानीय निकायों (□□□/□□□) की सक्रियता, विशेषज्ञ व्यक्तियों की उपलब्धता और शिक्षकों को पर्याप्त शिक्षण सामग्री प्रदान करना, ये तीनों ही कारक अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

225. एक छात्र पढ़ रहा है, उसका नाम लेकर किसी ने बुलाया। निम्न में से किस संवेदना द्वारा वह (छात्र) अपनी अनुक्रिया प्रकट करेगा?
(1) दृष्टि संवेदना

(2) स्पर्श संवेदना
(3) ध्वनि संवेदना
(4) प्रत्यक्षण संवेदना
सही उत्तर: (3) ध्वनि संवेदना
व्याख्या: जब किसी व्यक्ति को उसके नाम से बुलाया जाता है, तो उद्दीपक (□□□□□□□□□) 'ध्वनि' के रूप में होता है। कान (कर्णेंद्रिय) इस ध्वनि को ग्रहण करते हैं, इसलिए छात्र अपनी अनुक्रिया **ध्वनि संवेदना (□□□□□□□□□ □□□□□□□□□□)** के माध्यम से ही प्रकट करेगा।

226. पियाजे के सिद्धान्त के अनुसार प्राक्संक्रियात्मक अवस्था की अवधि क्या है?
(1) चार से आठ साल
(2) जन्म से दो साल
(3) दो से सात साल
(4) पाँच से आठ साल
सही उत्तर: (3) दो से सात साल
व्याख्या: जीन पियाजे के संज्ञानात्मक विकास के सिद्धांत की दूसरी अवस्था **प्राक्संक्रियात्मक अवस्था (□□□-□□□□□□□□□□□□ □□□□□)** है, जिसकी अवधि **2 से 7 वर्ष** होती है। इस अवस्था में बच्चा प्रतीकों का उपयोग करना सीखता है लेकिन तार्किक चिंतन का अभाव होता है।

227. निम्न में से कौन-सी बाद की बाल्यावस्था के बौद्धिक विकास की विशेषता नहीं है?
(1) भविष्य की योजना की सूझा-बूझ
(2) विज्ञान की काल्पनिक कथाओं में अधिक रुचि
(3) बढ़ती हुई तार्किक शक्ति
(4) काल्पनिक भयों का अन्त
सही उत्तर: (1) भविष्य की योजना की सूझा-बूझ
व्याख्या: बाद की बाल्यावस्था (□□□□□ □□□□□□□□□□) में तार्किक शक्ति बढ़ती है और काल्पनिक भय कम होते हैं, लेकिन **भविष्य की योजना** बनाने की परिपक्वता किशोर अवस्था (□□□□□□□□□□□□) की विशेषता है, बाल्यावस्था की नहीं।

228. इनमें से कौन मनोवैज्ञानिक 'भाषा विकास' से संबद्ध है?
(1) पैवलव (2) बिने (3) चोम्स्की (4) मास्लो
सही उत्तर: (3) चोम्स्की
व्याख्या: नोआम चोम्स्की (□□□□ □□□□□□□□) ने 'भाषा विकास' का सिद्धांत दिया। उन्होंने बताया कि बच्चों में भाषा सीखने की जन्मजात क्षमता होती है, जिसे उन्होंने '□□□□□□□□□ □□□□□□□□□□□□ □□□□□□□' (□□□) कहा।

229. थॉर्नडाइक ने अपने सिद्धान्त को किस शीर्षक से सिद्ध किया?
(1) संज्ञानात्मक अधिगम (2) अधिगम के प्रयास एवं भूल
(3) संकेत अधिगम (4) स्थान अधिगम
सही उत्तर: (2) अधिगम के प्रयास एवं भूल
व्याख्या: एडवर्ड थॉर्नडाइक ने अपने सिद्धांत को **'प्रयास एवं भूल' (□□□□□ □□□ □□□□□)** के नाम से सिद्ध किया। उन्होंने प्रतिपादित किया कि सीखने के लिए तत्परता, अभ्यास और प्रभाव का नियम अनिवार्य है।

230. गिरोह अवस्था किस आयु-वर्ग एवं विलम्ब-विकास से संबंधित है?
(1) 16-19 वर्ष एवं नैतिकता (2) 3-6 वर्ष एवं भाषा
(3) 8-10 वर्ष एवं समाजीकरण (4) 16-19 वर्ष एवं संज्ञानात्मक
सही उत्तर: (3) 8-10 वर्ष एवं समाजीकरण
व्याख्या: गिरोह अवस्था (□□□□ □□□) बाल्यावस्था के उत्तरार्ध (8-10 वर्ष) में आती है। इस अवस्था में बच्चा अपने समूह का सक्रिय सदस्य बनता है, जो उसके **समाजीकरण (□□□□□□□□□□□□□□)** की प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

231. पियाजे के अनुसार संज्ञानात्मक विकास की तृतीय अवस्था निम्न में से कौन-सा है?
(1) औपचारिक संक्रिया अवस्था (2) पूर्व-संक्रिया अवस्था
(3) मूर्त संक्रिया अवस्था (4) संवेदनात्मक गामक अवस्था
सही उत्तर: (3) मूर्त संक्रिया अवस्था
व्याख्या: जीन पियाजे के अनुसार विकास की चार अवस्थाएँ हैं: 1. संवेदी गामक, 2. पूर्व-संक्रियात्मक, 3. **मूर्त संक्रियात्मक (7-11 वर्ष)** और 4. औपचारिक संक्रियात्मक। अतः तीसरी अवस्था 'मूर्त संक्रिया अवस्था' है।

232. निम्न में से अधिगम में योगदान देने वाले मनोवैज्ञानिक कारकों में कौन-सा शामिल नहीं है?
(1) अधिगम की इच्छा (2) प्रेरणा (3) रुचि (4) विषयवस्तु का स्वरूप
सही उत्तर: (4) विषयवस्तु का स्वरूप
व्याख्या: इच्छा, प्रेरणा और रुचि **मनोवैज्ञानिक कारक** हैं जो छात्र के भीतर से संबंधित हैं। जबकि 'विषयवस्तु का स्वरूप' (□□□□□□ □□ □□□□□□□□) एक बाह्य या पाठ्यचर्या संबंधी कारक है।

233. निम्न में से सामाजिक मूल्य कौन-सा है?
(1) सहायतापरक व्यवहार (2) प्राथमिक लक्ष्य
(3) मूल प्रवृत्ति (4) आक्रामकता की आवश्यकता
सही उत्तर: (1) सहायतापरक व्यवहार
व्याख्या: सहायतापरक व्यवहार (□□□□□□□□□/□□□□□□□□ □□□□□□□□□) एक प्रमुख सामाजिक मूल्य है, क्योंकि यह समाज में सहिष्णुता और सहयोग को बढ़ावा देता है।

234. पश्च अन्वेषण तथा साधन-साक्ष्य विश्लेषण निम्न में से किसके उदाहरण हैं?
(1) स्वतःशोध (2) एल्गोरिदम
(3) मानसिक वृत्ति (4) प्रकार्यात्मक स्थिरता
सही उत्तर: (1) स्वतःशोध
व्याख्या: पश्च अन्वेषण (□□□□□□□□□ □□□□□□□) और साधन-साक्ष्य विश्लेषण (□□□□□-□□□ □□□□□□□□□) समस्या समाधान की **स्वतःशोध (□□□□□□□□□□□)** विधियाँ हैं। इसमें व्यक्ति पूरी समस्या को छोटे-छोटे लक्ष्यों में बाँटकर समाधान तक पहुँचने का प्रयास करता है।

235. "सीखने के वक्र अभ्यास द्वारा सीखने की मात्रा, गति और प्रगति की सीमा को ग्राफ पर प्रदर्शित करते हैं।" यह किसने कहा है?
(1) स्किनर (2) रॉस (3) एबिंगहास (4) एम. एल. बिग्गी
सही उत्तर: (3) एबिंगहास
व्याख्या: सीखने के वक्र (□□□□□□□□□ □□□□□□□) की यह प्रसिद्ध परिभाषा **एबिंगहास (□□□□□□□□□□□)** से संबंधित है। उन्होंने ग्राफ के माध्यम से यह दर्शाया कि अभ्यास का सीखने

की गति और मात्रा पर क्या प्रभाव पड़ता है। (नोट: कुछ पुस्तकों में इसे गेट्स व अन्य की परिभाषा भी माना गया है)।

236. निम्न में से कौन-सा थॉर्नडाइक के अधिगम के प्राथमिक नियमों में शामिल नहीं है?
(1) साहचर्यात्मक स्थानान्तरण का नियम (2) अभ्यास का नियम
(3) प्रभाव का नियम (4) तत्परता का नियम
सही उत्तर: (1) साहचर्यात्मक स्थानान्तरण का नियम
व्याख्या: थॉर्नडाइक ने अधिगम के तीन **प्राथमिक नियम** दिए थे: 1. तत्परता का नियम, 2. अभ्यास का नियम, और 3. प्रभाव का नियम। 'साहचर्यात्मक स्थानान्तरण का नियम' थॉर्नडाइक के **गौण नियमों** (□□□□□□□□□□ □□□□) के अंतर्गत आता है।

237. अनुकूलित अनुक्रिया सिद्धान्त किसके अनुकूलन पर बल देता है?
(1) तर्क (2) व्यवहार (3) चिन्तन (4) अभिप्रेरणा
सही उत्तर: (2) व्यवहार
व्याख्या: इवान पैवलव का शास्त्रीय अनुबंधन या **अनुकूलित अनुक्रिया सिद्धान्त** मुख्य रूप से **व्यवहार** के अनुकूलन पर आधारित है। इसमें उद्दीपक और अनुक्रिया के बीच संबंध स्थापित कर व्यवहार को परिवर्तित किया जाता है।

238. क्रिया-प्रसूत अनुबन्धन का दूसरा नाम है
(1) समीपस्थ अनुबंधन (2) नैमित्तिक अनुबंधन
(3) प्राचीन अनुबंधन (4) चिह्न अनुबंधन
सही उत्तर: (2) नैमित्तिक अनुबंधन
व्याख्या: बी. एफ. स्किनर के क्रिया-प्रसूत अनुबन्धन (□□□□□□□ □□□□□□□□□□□□□) को **नैमित्तिक अनुबंधन (**□□□□□□□□□□□□□ □□□□□□□□□□□□□**)** भी कहा जाता है, क्योंकि यहाँ अनुक्रिया पुरस्कार प्राप्ति के लिए एक 'साधन' या 'निमित्त' का कार्य करती है।

239. निम्न में से कौन-सी अधिगम की एक विशेषता नहीं है?
(1) अधिगम का अवलोकन प्रत्यक्ष रूप से किया जा सकता है
(2) अधिगम व्यवहार में अपेक्षाकृत स्थायी परिवर्तन है
(3) अधिगम प्राणी की अभिवृद्धि है
(4) अधिगम एक लक्ष्योन्मुख प्रक्रिया है
सही उत्तर: (1) अधिगम का अवलोकन प्रत्यक्ष रूप से किया जा सकता है
व्याख्या: अधिगम एक आंतरिक प्रक्रिया है जिसका **प्रत्यक्ष अवलोकन** (□□□□□□ □□□□□□□□□□□□) नहीं किया जा सकता। हम केवल व्यक्ति के व्यवहार में होने वाले परिवर्तनों को देख सकते हैं और उनके आधार पर अधिगम का अनुमान लगा सकते हैं।